E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 60 | गुवाहाटी | गुरुवार, 1 अक्तूबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दुनिया के देश अपने फैसलों के वैश्विक प्रभाव को समझें, अपने हितों तक... पेज 2
नगांव-मोरीगांव में सोनोवाल ने किया भाजपा प्रत्याशी के लिए चुनाव प्रचार पेज 3
पंजाब में नशे के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी भाजपा : अमित शाह पेज 5
एशियन खेल 2026 : भारत ने तीरंदाजी में रचा नया इतिहास, पुरुष कंपाउंड टीम... पेज 7

शुभमन गिल का रिकॉर्ड दोहरा शतक

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ किया ऐतिहासिक रन चेज

गुवाहाटी। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के दूसरे मैच में एक रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की। गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट इतिहास का सबसे रोमांचक और अविश्वसनीय रन चेज देखने को मिला। इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 405 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका था जब कैरेबियाई टीम ने 400 का आंकड़ा पार किया। लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने इस नामुमकिन से दिखने वाले 406 रनों के टारगेट को भी बौना साबित कर दिया और अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज कर दिखाया। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने भारत के तेज गेंदबाजी को आड़े हाथों लिया। सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने सिर्फ 65 गेंदों में शतक पूरा किया और कुल 68 गेंदों में 9 चौकों और 5 छक्कों के दम पर 101 रन ठोके। वहीं, कप्तान शे होप को 27 रन के

निजी स्कोर पर जीवनदान मिला, जब शॉर्ट मिडविकेट पर विराट कोहली के हाथों से उनका कैच छूटा। होप ने इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए 94 गेंदों में 104 रनों की कप्तानी पारी खेली। इसके बाद आमिर जांगू ने सिर्फ 69 गेंदों में अपना दूसरा वनडे शतक जड़ा और 114 रनों की नाबाद पारी खेली। यह वनडे क्रिकेट में पहला मौका था जब वेस्टइंडीज के तीन बल्लेबाजों ने एक ही मैच में शतक जड़े। जिसके चलते विंडीज ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 405 रन बनाकर पहली बार वनडे में 400 रन का आंकड़ा छुआ। इस दौरान भारत की ओर से गुरनूर बराड़, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए। 406 रनों के पहाड़ जैसे टारगेट के सामने भारतीय सलामी जोड़ी ने पहली ही गेंद से आक्राम तेवर दिखाए। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने 75 गेंदों में 10 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 101 रन की तेजतर्रार पारी खेली। वहीं, गिल ने 117 गेंदों में वनडे इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के सरकारी स्कूलों में नो एंट्री वाली खबर फर्जी

झूठ फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के सरकारी स्कूलों में लोगों और अभिभावकों के जाने पर रोक लगाए जाने की खबरों को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने खारिज कर दिया है। सीएमओ ने ऐसी खबरों को पूरी तरह फर्जी और सच्चाई से परे बताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि सरकारी स्कूलों में लोगों और अभिभावकों के आने-जाने पर किसी तरह की पाबंदी नहीं लगाई गई है। लोग और अभिभावक पहले की तरह सामान्य रूप से स्कूलों में जा सकते हैं। इसके लिए किसी अनुमति की जरूरत नहीं है। सीएमओ ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट में सरकारी स्कूलों में जाने के लिए अनुमति जरूरी होने और लोगों पर प्रतिबंध लगाए जाने

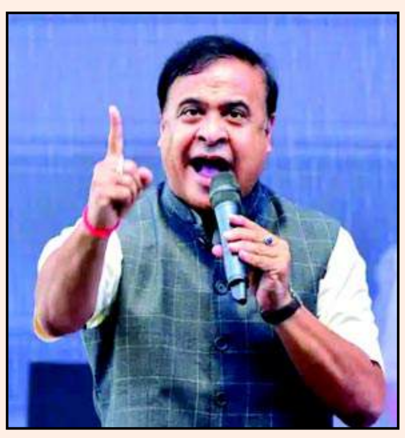

की बात कही गई है। सीएमओ ने इन दावों को दुर्भावनापूर्ण और असत्य बताया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि असम की शिक्षा व्यवस्था को बदनाम करने और इस तरह की झूठी जानकारी फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर असम के सरकारी स्कूलों को लेकर एक कथित आदेश वायरल किया जा रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि अब बिना अनुमति कोई भी व्यक्ति स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। इस दावे के समर्थन में शिक्षा विभाग का हवाला दिया जा रहा है। वायरल दावे में कहा गया है कि प्रार्थना शुरू होने से पहले स्कूल का प्रवेश द्वार बंद करना अनिवार्य -शेष पृष्ठ दो पर

अरब सागर में 3000 करोड़ की ड्रग्स जब्त पांच पाकिस्तानी गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। अरब सागर में लक्षद्वीप के पास भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) और गुजरात एटीएस ने संयुक्त अभियान में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान संदिग्ध ईरानी नाव से करीब 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन बरामद की गई। जब्त ड्रग्स की अनुमानित बाजार कीमत 3,000 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम के काफिले के लिए एम्बुलेंस रोका, सिलचर में चार पुलिसकर्मी सस्पेंड

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मांगी माफी

सिलचर। सिलचर में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के काफिले के लिए रास्ता बनाने के मकसद से एक मरीज को ले जा रही एम्बुलेंस को कथित तौर पर रोके जाने की घटना के बाद चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। एसआई बिजोय गोस्वामी, ऑफिसर-इन-चार्ज, श्रीकोना पुलिस पोस्ट (सिलचर पुलिस स्टेशन के तहत) एसआई शिबशंकर दास, एनएच वे पुलिस पोस्ट (सिलचर पुलिस स्टेशन के तहत), लांस नायक (यूबी)/476 जहुरुल इस्लाम, -शेष पृष्ठ दो पर

पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगा सकते समय के साथ तय होंगे मानक : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि पटाखों पर पूरी तरह रोक लगाने से लोगों की भावनाएं आहत होंगी, इसलिए कोर्ट न तो इन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाएगा और न ही चौबीसों घंटे आतिशबाजी की इजाजत देगा। जस्टिस एमएम सुंदेशन और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा कि पटाखे चलाने के लिए समय तय करके बीच का रास्ता निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम न तो इस पर पूरी तरह बैन लगाने के लिए तैयार हैं और न ही हम उन्हें दिन के 24 घंटे पटाखे फोड़ने की इजाजत देंगे। पूरी तरह बैन लगाने से लोगों की भावनाएं आहत होंगी और

पूरे दिन पटाखे फोड़ने की इजाजत देने से बुजुर्गों, बीमारों और बच्चों समेत सभी जीवित प्राणियों पर बुरा असर पड़ेगा। बेंच ने मौखिक रूप से कहा कि हमें कोई ऐसा समाधान निकालता होगा जिससे हम पटाखे फोड़ने के लिए एक तय समय दे सकें। सुनवाई के दौरान, एडिशनल सॉलिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने एक नोट पेश किया जिसमें कहा गया कि सीएसआईआर-एनईईआरआई की सिफारिश के अनुसार, खास अगली पीढ़ी के जुड़े हुए ग्रीन क्रैकर्स के मामले में सीमित और शर्तों के साथ छूट पर विचार किया जा सकता है, बशर्ते ने शोर, -शेष पृष्ठ दो पर

असम का मिला चौथा एग्रीकल्चर कॉलेज बराक वैली को पहला : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को बताया कि असम को अपना चौथा एग्रीकल्चर कॉलेज मिलने जा रहा है। राज्य कैबिनेट ने बराक वैली के पथारकांदी में 84.6 एकड़ जमीन देने को मंजूरी दे दी है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रस्तावित संस्थान बराक वैली का पहला एग्रीकल्चर कॉलेज होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से युवाओं के लिए एग्रीकल्चर की पढ़ाई, रिसर्च और इनोवेशन के मौके बनेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम को अपना चौथा एग्रीकल्चर कॉलेज और बराक वैली को अपना पहला कॉलेज मिलने जा रहा है! उन्होंने आगे कहा कि कैबिनेट ने इस प्रोजेक्ट के लिए पथारकांदी में

84.6 एकड़ जमीन देने को मंजूरी दे दी है। ज्ञात हो कि बराक घाटी के लोग शुरू से ही यह आरोप लगाते रहे हैं कि राज्य सरकार सिर्फ ब्रह्मपुत्र घाटी के विकास पर ध्यान देती है, बराक घाटी के साथ अनदेखी होती है। लेकिन, वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ब्रह्मपुत्र के साथ ही समान रूप से बराक घाटी के विकास के लिए अनेकों कदम उठाए गये हैं, जिसके चलते अनदेखी की बातें अब इतिहास के पन्नों में दफन हो गयी हैं। कैबिनेट के इस निर्णय को लेकर बराक घाटी के लोगों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

सुप्रभात

कार्य का स्वरुप निर्धारित हो जाने के बाद वह कार्य लक्ष्य बन जाता है।

- आचार्य चाणक्य

भारत को *सवर्ण हिंदू राष्ट्र* बनाने के लिए है एसआईआर : प्रभाकर

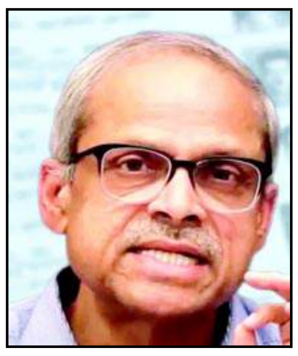

नई दिल्ली। स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति परकला प्रभाकर ने बड़ा बयान दिया है। अर्थशास्त्री और लेखक पराकला ने कहा कि एसआईआर सिर्फ चुनाव का मुद्दा नहीं है बल्कि यह भारत को *सवर्ण हिंदू राष्ट्र* बनाने की कोशिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इसका बुनियादी स्तर पर विरोध होना चाहिए। विरोध इसलिए होना चाहिए कि यह भारत को किस रास्ते पर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट से जिन लोगों के नाम हटाए गए, उनमें ज्यादातर मुसलमान, ईसाई, अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी और हाशिए पर रहने वाले या जिनकी आवाज नहीं सुनी जाती, ऐसे लोग शामिल थे। उन्होंने कहा कि लोग अब भी पूछते हैं -शेष पृष्ठ दो पर

सौरभ राजपूत हत्याकांड

कोर्ट का आया फैसला, मुस्कान और साहिल दोषी करार

मेरठ। मेरठ के चर्चित ब्लू ड्रम मर्डर केस में, बुधवार को यूपी की एक अदालत ने मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को मुस्कान के पति और मर्चेंट नेवी ऑफिसर सौरभ राजपूत की हत्या का दोषी ठहराया। राजपूत के शरीर के टुकड़े करके उन्हें मेरठ में सीमेंट से भरे एक नीले प्लास्टिक के ड्रम में छिपा दिया गया था। इस मामले ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। जज ने कहा कि सजा का एलान 14 अक्तूबर को किया जाएगा। यह फैसला लगभग 13 महीने की अदालती कार्यवाही, करीब 126 सुनवाइयों और -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड : बड़गाईं जमीन केस में सीएम हेमंत सोरेन पर आरोप तय

रांची। बड़गाईं अंचल की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े कथित फर्जीवाड़े और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ विशेष पीएमएलए अदालत ने आरोप तय कर दिए हैं। इसके साथ ही मामले में मुख्यमंत्री समेत कुल 17 आरोपियों के खिलाफ ट्रायल की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इससे पहले 16 आरोपियों के खिलाफ आरोप गठित किए जा चुके थे। आरोप गठन की कार्यवाही के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश हुए। अदालत ने

उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को पढ़कर सुनाया। इस पर हेमंत सोरेन ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया और कहा कि उन्होंने किसी तरह का अपराध नहीं किया है। यह मामला रांची के बड़गाईं अंचल स्थित करीब 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के अनुसार, जमीन के रिकॉर्ड में कथित हेरफेर, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और जमीन पर कथित अवैध कब्जे से जुड़े पहलुओं की जांच की गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को ड्रग्स मुक्त बनाएगी भाजपा : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की *नशा मुक्त पंजाब यात्रा* के तहत एक जनसभा को संबोधित किया। जालंधर में अपने संबोधन के दौरान शाह ने कहा कि आप सरकार ने सिंथेटिक ड्रग्स के कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया। पंजाब चुनाव में कई मुद्दे हैं—किसानों के मुद्दे, उद्योगों से जुड़ी चिंताएं, कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा। हालांकि, भाजपा आने वाला चुनाव सिर्फ नशा मुक्त पंजाब के मुद्दे पर लड़ेगी। अगर आप कमल के निशान पर वोट देते हैं, तो हम 31 दिसंबर 2029 तक -शेष पृष्ठ दो पर

इंडी गठबंधन की बैठक में एसआईआर, ईवीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने पर सहमति, 2 से 8 अक्तूबर तक देशभर में आंदोलन

नई दिल्ली (हि.स.)। विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का फैसला किया है। गठबंधन के घटक दल 2 से 8 अक्तूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगे। 06 अक्तूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। गठबंधन ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी की। यहां बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडी गठबंधन की आठवीं बैठक करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में एसआईआर, ईवीएम-वीवीपैट, मतदाता सूची और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में -शेष पृष्ठ दो पर

1988 में हुई थी बैंक डकैती, केरलम के 76 साल के व्यक्ति को अब मिली 13 साल जेल की सजा

कलपेट्टा। वायनाड के नल्लुरनाड सर्विस कोऑपरेटिव बैंक में 1988 में हुई डकैती में शामिल होने के आरोप में 76 साल के एक व्यक्ति को 13 साल की जेल और 16,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट के जज एल. जयवंत ने मंगलवार को कोल्लम के रहने वाले अब्दुल समद को इस मामले में सजा सुनाई। अगर वह जुर्माना नहीं भर पाते हैं तो उन्हें 10 महीने की अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। पुलिस के मुताबिक, यह डकैती 8 जनवरी 1988 की सुबह हुई थी और छह लोगों के एक गिरोह ने बैंक में घुसकर वारदात को

अंजाम दिया था। ये गिरोह एक कार में आया, ताले तोड़े और बैंक के अंदर घुस गया। लुटेरे एक सेफ, लगभग एक किलोग्राम सोने के गहने और 5,544 रुपए नकद ले गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शोर सुनकर बैंक पहुंचे दो लोगों पर क्रोबार (लोहे की रॉड) से हमला किया गया। आरोपियों में से चार सुबैर, सुरेश बाबू, अलीकुट्टी और नसीर को 1993 में गिरफ्तार किया गया था और सजा सुनाई गई। एक और आरोपी ओ के बाबू फरार चल रहा था। उसने 2017 में अदालत के सामने सरेंडर कर दिया और बाद में उसे सजा सुनाई गई। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

दुनिया के देश अपने फैसलों के वैश्विक प्रभाव को समझें, अपने हितों तक सीमित न रहें : जयशंकर

नई दिल्ली (हि.स.)। दुनिया में जारी संघर्षों के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक दक्षिण के देशों के हितों की वकालत करते हुए कहा है कि देशों को अपने फैसलों के व्यापक वैश्विक प्रभाव को समझना चाहिए। नीति-निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे यह आकलन करें कि उनके निर्णयों का दूसरे देशों, खासकर ग्लोबल साउथ की अर्थव्यवस्थाओं पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी फैसले से पैदा होने वाली मुश्किलों को केवल यह कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि ऐसा करना उद्देश्य नहीं था। न्यूयॉर्क में सोमवार को एशिया सोसाइटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन और ईरान-खाड़ी संघर्ष ने ग्लोबल साउथ की अर्थव्यवस्थाओं पर गंभीर असर डाला है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ा है। तेल बाजार पहले से दबाव में है और जब ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी राजनीति इसमें शामिल होती है तो स्थिति और जटिल हो जाती है। इससे कीमतों पर दबाव बढ़ता है, जबकि इस समय बाजार को स्थिरता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि काला सागर क्षेत्र से प्रमुख अनाज निर्यातकों की आपूर्ति बाधित होने की स्थिति बन रही है। रूस और मध्य पूर्व के प्रमुख उर्वरक उत्पादकों पर संघर्ष का असर पड़ा है। इससे उर्वरकों की कमी बढ़ने की आशंका है। इसके अलावा अल नीनो की स्थिति भी खाद्य संकट को बढ़ा सकती है। जयशंकर ने कहा कि देश अपने फैसले लेते समय केवल अपने हितों और परिस्थितियों को ध्यान में नहीं रख सकते। उन्हें दूसरे देशों की स्थिति और अपने फैसलों के संभावित परिणामों पर भी विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि कोई देश इतना आत्मकेंद्रित नहीं हो सकता कि वह अपनी दुनिया में फैसले ले और बाद में यह कहे कि उसका उद्देश्य दूसरों के लिए मुश्किल पैदा करना नहीं था। जयशंकर ने कहा कि तेल आपूर्ति की सुरक्षा और उससे जुड़ी राजनीति एक-दूसरे को प्रभावित कर रही हैं। इससे संकट और गंभीर हो रहा है। इसका असर केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। खाद्य और उर्वरक आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि संघर्षों का असर वित्तीय क्षेत्र पर भी पड़ता है। ऐसे समय में पूंजी सुरक्षित बाजारों की ओर जाती है और ग्लोबल साउथ से बाहर निकलती है। इससे इन देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है।

जिन राज्यों में एसआईआर का काम पूरा, वहां फार्म-6 के साथ नहीं देनी होगी अतिरिक्त जानकारी

नई दिल्ली। देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर तेज होती सियासत के बीच निर्वाचन आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण *फॉर्म-6* से अतिरिक्त एसआईआर से जुड़ी घोषणा को हटा दिया है, जहां मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण पूरा हो चुका है। आयोग के पूर्ण आयोग की तरफ से यह स्पष्ट किए जाने के कुछ दिनों बाद यह कदम उठाया गया है कि यह नियम केवल पुनरीक्षण अभियान के दौरान ही लागू रहेगा। आयोग के अनुसार जिन राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है, वहां अब ईसीआईनेट ऐप-पोर्टल और संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के पोर्टल्स से इस अतिरिक्त घोषणा को हटा लिया गया है। इसके तहत इन राज्यों में अब नए मतदाताओं को पंजीकरण के लिए केवल *रुपए पंजीकरण नियम, 1960* के तहत निर्धारित वैधानिक फॉर्म-6 भरना होगा। आयोग की तरफ से की गई घोषणा के आधार पर, जिन राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में अभी एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, वहां फॉर्म-6 के साथ यह अतिरिक्त घोषणा अभी भी ईसीआईनेट पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। इस अतिरिक्त घोषणा के तहत नए आवेदकों को खुद को या अपने माता-पिता/दादा-दादी को किसी पूर्व गहन पुनरीक्षण के दौरान तैयार मतदाता सूचियों से जोड़ने वाले विवरण देने होते हैं। बता दें कि यह पूरा मामला तब सुर्खियों में आया जब एक मीडिया रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने फॉर्म-6 में किए गए बदलावों पर आपत्ति जताई थी। जोशी का तर्क था कि रुपए पंजीकरण नियम, 1960 के तहत निर्धारित किसी भी फॉर्म में नियमों में संशोधन किए बिना बदलाव नहीं किया जा सकता है। वहीं सुखबीर सिंह संधू ने भी इस बात का समर्थन किया था। जब ईसीआईनेट पर इसे जोड़ा गया, तो संधू ने इसे अवैध बताते हुए इसे हटाने की मांग की थी।

तामुलपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत दो दिवसीय नुक्कड़ नाटक का समापन

तामुलपुर (हिंस)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में आयोजित *सेवा संकल्प अभियान* के तहत तामुलपुर जिले में दो दिवसीय नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का बुधवार को सफल समापन हुआ। तामुलपुर जिला प्रशासन के सौजन्य तथा *उद्दीपन तामुलपुर* के सहयोग से नागरीजुली बाजार में *नमो सेवा गाथा : एक अनकही कहानी* शीर्षक के तहत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से देश की सैन्य क्षेत्र में उपलब्धियों, सांस्कृतिक गीत-संगीत तथा विकास की यात्रा और दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही लोगों के बीच सेवा, सामाजिक दायित्व और जनकल्याण का संदेश भी दिया गया। नागरीजुली में आयोजित कार्यक्रम में बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के कार्यकारी सदस्य लक्ष्मी दास, स्थानीय वीसीडीसी अध्यक्ष राजीव चौधरी, नागरीजुली मंडल भाजपा के महासचिव अरविंद दास, नागरीजुली विकासखंड के अभियंता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इसके समानांतर नाटक दल ने ढेपरगांव चौक, कदमताल और मटंगा चौक में भी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। उल्लेखनीय है कि *सेवा संकल्प अभियान* के अवसर पर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों द्वारा अपने स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सीआईटी कोकराझाड़ में बानसू का दो दिवसीय धरना शुरू

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के बालागांव स्थित केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईटी) के छात्रावास में विषाक्त भोजन की घटना को लेकर प्रतिक्रिया जारी है। घटना के विरोध और विभिन्न मांगों के समर्थन में बोडो नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन (बानसू) की केंद्रीय समिति के नेतृत्व में बुधवार से दो दिवसीय धरना कार्यक्रम शुरू किया गया। सीआईटी के मुख्य द्वार के सामने आयोजित धरना कार्यक्रम में बानसू के कार्यकर्ताओं ने बैनर और प्लेकार्ड के साथ हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने संस्थान के प्रशासनिक एवं व्यवस्थागत मुद्दों को लेकर अपनी मांगें उठाईं। बानसू के मुख्य सलाहकार मनंजय दैमारी ने मीडिया से बातचीत में संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के अध्यक्ष की तत्काल नियुक्ति, पूर्णकालिक निदेशक की नियुक्ति तथा सीआईटी परिसर में सुरक्षा एवं संरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने छात्रावासों में सुरक्षित एवं स्वास्थ्यकर भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, कार्यवाहक रजिस्ट्रार के पद से इस्तीफा लेकर नए रजिस्ट्रार की नियुक्ति करने, भ्रष्टाचार-रोधी व्यवस्था को मजबूत करने तथा पारदर्शिता और प्रशासनिक सुधार सुनिश्चित करने की मांग रखी। बानसू ने संस्थान में तत्काल दीक्षांत समारोह आयोजित करने की मांग भी उठाई है। उधर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि कोकराझाड़ जिले में अवैध रूप से मवेशियों की आवाजाही के खिलाफ पुलिस ने देर रात अभियान चलाकर 14 मवेशियों को बरामद किया और चार लोगों को हिरासत में लिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि गोसाईगांव और बगरीबाड़ी पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। प्रारंभिक जांच के दौरान हिरासत में लिए गए लोग मवेशियों से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके और उनके परिवहन के संबंध में संतोषजनक स्पष्टीकरण भी नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि मामले में

शोणितपुर में ट्राई का नेटवर्क परीक्षण, डाउनलोड स्पीड में जियो और अपलोड स्पीड में एयरटेल आगे

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के असम के शोणितपुर जिले में किए गए स्वतंत्र नेटवर्क परीक्षण में रिलायंस जियो की सेवाएं डाउनलोड स्पीड के मामले में सबसे आगे रहीं। वहीं, बीएसएनएल की औसत डाउनलोड स्पीड सबसे कम दर्ज की गई। परीक्षण में जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 221.18 एमबीपीएस रही, जबकि एयरटेल की 116.11 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया की 20.04 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 11.72 एमबीपीएस दर्ज की गई। केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से बुधवार को बताया गया कि ट्राई ने अगस्त में असम एलएसए के तहत शोणितपुर जिले में एयरटेल, बीएसएनएल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया की मोबाइल नेटवर्क सेवाओं का स्वतंत्र परीक्षण किया। इसमें कॉल ड्रॉप, नेटवर्क कवरेज, कॉल गुणवत्ता तथा इंटरनेट की डाउनलोड और अपलोड गति समेत विभिन्न मानकों का आकलन किया गया। ट्राई ने 10 से 13 अगस्त के बीच शोणितपुर जिले में स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट किया।

इस दौरान करीब 308 किलोमीटर क्षेत्र में ड्राइव टेस्ट, 10 हॉटस्पॉट स्थानों पर परीक्षण और 1.6 किलोमीटर का वॉक टेस्ट किया गया। परीक्षण की निगरानी ट्राई के क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता ने की। अपलोड गति के मामले में एयरटेल ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उसकी औसत अपलोड स्पीड 21.09 एमबीपीएस दर्ज हुई। जियो की औसत अपलोड स्पीड 15.98 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया की 6.69 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 4.32 एमबीपीएस रही। कॉल ड्रॉप के मामले में परीक्षण के दौरान एयरटेल और जियो नेटवर्क पर एक भी कॉल ड्रॉप दर्ज नहीं हुआ। एयरटेल में 311 कॉल में शून्य और जियो में 316 कॉल में शून्य ड्रॉप दर्ज किए गए। वहीं, वोडाफोन आइडिया में 312 में से आठ और बीएसएनएल में 476 में से 301 कॉल ड्रॉप दर्ज हुए। नेटवर्क कवरेज के आकलन में खराब सिग्नल वाले नमूनों की संख्या एयरटेल के लिए 1,766, जियो के लिए 1,494, वोडाफोन आइडिया के लिए 6,682 और बीएसएनएल के लिए 18,494 रही।

असम में अलग-अलग अभियानों में पांच पिस्तौल और 13 कारतूस बरामद, चार हिरासत में

गुवाहाटी (हिंस)। असम के गोलाघाट और कामरूप जिलों में पुलिस ने अलग-अलग अभियानों के दौरान पांच पिस्तौल और 13 जिंदा कारतूस बरामद किए। इन मामलों में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने आज बताया कि गोलाघाट जिले के सरूपथार स्थित चुंगाजान में पुलिस ने बीती रात अभियान चलाकर चार पिस्तौल और 13 जिंदा कारतूस बरामद किए। इस सिलसिले में नगालैंड के डिमापुर निवासी बताए जा रहे युवक राखल शील को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, बरामद हथियारों में 7.65 एमएम की दो पिस्तौल और .22 की दो पिस्तौल शामिल हैं। उसके कब्जे से एक टॉर्च और प्लास्टिक सामग्री से भरा एक बैग भी बरामद किया गया। पुलिस शील से पूछताछ कर हथियारों के स्रोत और उनके संभावित गंतव्य का पता लगाने का प्रयास कर रही है। हथियारों को कथित तौर पर किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। वहीं, कामरूप जिले के हाजो के कोसरुवा इलाके में स्थानीय लोगों ने उत्तर प्रदेश के तीन लोगों को कथित तौर पर पिस्तौल रखने के आरोप में पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। उनकी पहचान विशाल मौर्य, कुलदीप और आकाश मौर्य के रूप में हुई है। तीनों उत्तर प्रदेश के निवासी बताये गए हैं। उनके पास से एक पिस्तौल और करीब एक लाख रुपए नकद बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। दोनों मामलों में पुलिस हथियारों के स्रोत, उनकी आवाजाही और आरोपितों की भूमिका की जांच कर रही है। आगे की जांच जारी है।

पृष्ठ एक का शेष

भारत ने वेस्टइंडीज के ...

के बाद रुकने का नाम नहीं लिया। वो 133 गेंदों पर 26 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 223 रन बनाकर नाबाद रहे। जिसके चलते भारत ने 9.33 के हैरतअंगेज रन रेट से खेलते हुए 43.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 406 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। बता दें, वनडे क्रिकेट के इतिहास में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब किसी टीम ने 400 या उससे ज्यादा रन का टारगेट हासिल किया है। वहीं, भारतीय टीम ने अपने वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार ये उपलब्धि हासिल की है।

पटाखों पर पूरी तरह...

उत्सर्जन और सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करें और कुछ शर्तों को पूरा करें। नोच में आगे कहा गया कि इन खास पटाखों को तभी इस्तेमाल करने की इजाजत दी जा सकती है जब उन्हें सही लाइसेंस वाले निर्माताओं ने बनाया हो, वे 125डीबी(एआई)/145डीबी(सी) पीक की तय शेर सीमा का पालन करते हों और प्रतिबंधित केमिकल न हों। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल से जुड़े मुद्दे पर 15 अक्तूबर को विचार करेगा।

झूठ फैलाने वालों पर...

होगा। इसके अलावा स्कूल चलने के दौरान बिना अनुमति किसी को फोटो लेने या वीडियो रिकॉर्ड करने की इजाजत नहीं होगी। दावे में यह भी कहा जा रहा है कि स्कूल परिसर में किसी भी व्यक्ति को हंगामा या शोर-शराबा करने की अनुमति नहीं होगी। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इन कथित नियमों को सरकारी स्कूलों में आम लोगों और अभिभावकों के प्रवेश पर रोक के तौर पर पेश किया जा रहा है। उधर असम के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने आज स्पष्ट किया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य में सरकारी या प्रांतीयकृत स्कूलों में अभिभावकों, नागरिकों या नागरिक समाज के सदस्यों के आने पर रोक लगाने वाला कोई नोटिस या परिपत्र जारी नहीं किया है। पेगु ने कहा कि विभाग द्वारा इस तरह के प्रतिबंध लगाए जाने के दावे वाली रिपोर्टें असत्य हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में शिक्षा मंत्री ने कहा कि मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि विद्यालय शिक्षा विभाग ने सरकारी या प्रांतीय विद्यालयों में किसी के भी प्रवेश पर रोक लगाने वाला कोई नोटिस या परिपत्र जारी नहीं किया है। मीडिया के एक वर्ग में प्रकाशित इसके विपरीत दावे वाली खबरें असत्य हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावकों और नागरिकों का स्कूलों का दौरा करने और सुझाव देने के लिए स्वागत है, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि ऐसे दौरे नियमित कक्षाओं को बाधित नहीं करने चाहिए या शैक्षणिक वातावरण को प्रभावित नहीं करने चाहिए। पेगु ने कहा कि अभिभावकों और नागरिकों का हमारे स्कूलों में आने और सुझाव देने के लिए स्वागत है। हालांकि, आगंतुकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमित कक्षाएं बाधित न हों और शैक्षणिक माहौल बना रहे। मंत्री ने यह भी कहा कि क्लस्टर रिसोर्स सेंटर कोऑर्डिनेटर (सीआरसीसी) नूरुल हुसैन को कथित तौर पर व्हाट्सएप पर नागरिक समाज के सदस्यों द्वारा स्कूलों के दौरे पर प्रतिबंधों के संबंध में एक झूठा संदेश प्रसारित करने के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया है जिनमें कहा गया है कि कॉकरोच जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल अपने *स्कूल ठीक करो* अभियान के तहत असम के स्कूलों का दौरा कर रहा है। इस अभियान में शैक्षिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से संबंधित मुद्दों को उजागर करने के लिए स्कूलों का दौरा करना शामिल है। शिक्षा मंत्री के स्पष्टीकरण से यह स्पष्ट होता है कि ऐसा कोई विभागीय आदेश नहीं है जो नागरिकों या नागरिक समाज समूहों को सरकारी या प्रांतीयकृत स्कूलों में जाने से रोकता हो, बशर्ते कि वे नियमित शैक्षणिक गतिविधियां जारी रखें।

सीएम के काफिले के ...

काटीगोराह पुलिस स्टेशन, लांस नायक (यूबी)/976 कौसर अहमद बरभुइयां, ट्रैफिक ब्रांच, सिलचर। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा मरीज और उनके परिवार से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के कुछ घंटों बाद की गई है, क्योंकि उनके काफिले के गुजरने के लिए एम्बुलेंस को रोक दिया गया था। इस घटना को *अस्वीकार्य* बताते हुए शर्मा ने कहा कि किसी भी मुख्यमंत्री के गुजरने को कभी भी उस जिंदगी से ज़्यादा अहमियत नहीं दी जानी चाहिए जिसे तुरंत इलाज की जरूरत हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे कि वीआईपी मूवमेंट से आम नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए, लेकिन उन्होंने माना कि इस मामले में निर्देशों का पालन नहीं किया गया। शर्मा ने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और घटना की जांच के आदेश दिए हैं। चार पुलिसकर्मियों का सस्पेंशन मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद हुआ है और यह वीआईपी काफिले के प्रोटोकॉल की फिर से हो रही समीक्षा के बीच हुआ है, खासकर तब जब एम्बुलेंस जैसी इमरजेंसी गाड़ियां सड़क पर हों। शर्मा ने यह भी चेतावनी दी कि उनके काफिले की आवाजाही से जुड़े निर्देशों को *पूरी तरह और सही भावना के साथ* लागू किया जाएगा और जो कोई भी इनका उल्लंघन करते हुए पाया जाएगा, उसे सख्त नतीजों का सामना करना पड़ेगा।

कोर्ट का आया फैसला...

22 से ज़्यादा गवाहों के बयानों के बाद आया। दोनों आरोपियों को जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। जेल सूत्रों के मुताबिक, फैसले से पहले मुस्कान पिछले तीन दिनों से जेल में पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान कर रही थी। वहीं, साहिल ने दूसरे कैदियों से बातचीत करना बंद कर दिया था। उनके व्यवहार में यह बदलाव उस समय आया जब अदालत इस हाई-प्रोफाइल मर्डर केस में फैसला सुनाने वाली थी। फैसला सुनाने से पहले, जज ने मुस्कान से बात की और पूछा कि फैसले वाले दिन उसे कैसा महसूस हो रहा है। जज ने कहा आज फैसले का दिन है। मुस्कान, तुम क्या सोचती हो ? हमने अपना काम कर दिया है। आज तुम्हें कैसा लग रहा है ? आज सजा नहीं सुनाई जा रही है। बताओ, तुम क्या सोचती हो ? जज ने यह भी कहा कि अपराध समाज में डर का माहौल बनाता है। थोड़ी देर के ब्रेक के बाद, कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया और मुस्कान और साहिल, दोनों को सौरभ राजपूत की हत्या का दोषी ठहराया। ट्रायल के दौरान पेश किए गए सबूतों और चीजों की जांच करने के बाद, कोर्ट ने माना कि दोनों ने मिलकर हत्या की थी। जज ने यह भी कहा कि अपराध को छिपाने और सबूत मिटाने की कोशिश के तहत राजपूत की लाश को एक नीले ड्रम में छिपा दिया गया था। मेरठ के *ब्लू ड्रम मर्डर केस* में मर्चेंट नेवी के 29 साल के पूर्व अधिकारी सौरभ राजपूत की हत्या का मामला शामिल है। आरोप है कि उनकी हत्या उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उनके स्कूल के साथी रहे प्रेमी साहिल शुक्ला ने की थी। बताया जाता है कि दोनों 2019 में एक वाट्सएप ग्रुप के जरिए दोबारा संपर्क में आए और बाद में उनके बीच रिश्ता बन गया। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने सौरभ की हत्या की योजना बनाने में कई महीने बिताए, क्योंकि वे उन्हें अपने रिश्ते में रुकावट मानते थे। यह अपराध कथित तौर पर मार्च 2025 में किया गया था, जब सौरभ अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए लंदन से भारत लौटे थे।

झारखंड : बड़गाईं जमीन...

ईडी ने इस मामले को मनी लॉन्ड्रिंग से भी जोड़ा है। मामले में भानु प्रताप प्रसाद, अंतू तिर्की, विनोद कुमार सिंह, बिजेंद्र सिंह, बिपिन सिंह, प्रियरंजन सहाय, मनोज कुमार यादव, कुमार राजश्री, राजकुमार पाहन, संजीत कुमार, शेखर कुशवाहा, तापस घोष, मोहम्मद इरशाद अख्तर, अफसर अली, मोहम्मद सद्दाम हुसैन और मोहम्मद इरशाद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ पहले ही आरोप गठित किए जा चुके हैं। आरोप तय होने के बाद अब मामले में ट्रायल की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। हालांकि, आरोप गठन को दोष सिद्ध होना नहीं माना जाता है। मुकदमे के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष को अपना-अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा। आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगी।

31 दिसंबर 2029 तक ...

पंजाब को सिंथेटिक ड्रग्स के कारोबार से मुक्त कर देंगे। इसीलिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पठानकोट से यह यात्रा शुरू की थी; 13 दिनों में 4,000 किलोमीटर का सफर तय करने और 117 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करने के बाद, यह यात्रा आज यहां समाप्त हो रही है। शाह ने कहा कि मुझे अच्छी तरह पता है कि इसके जवाब में *केजरीवाल एंड कंपनी* क्या कहेगी। हमने हमेशा अपने वादे पूरे किए हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में, भाजपा ने कश्मीर को आतंकवाद से मुक्त कराया, 50 साल पुरानी नक्सल समस्या को खत्म किया और नॉर्थ-ईस्ट में उग्रवाद को समाप्त किया; और अब बारी है *चिट्टा मुक्त पंजाब* की। उन्होंने कहा कि मैं अभी नशे की लत के कारण जान गंवाने वालों के परिवारों से मिलकर आया हूं। एक मां अपने दो युवा बेटों की तस्वीर गोद में लेकर कहती है कि इसे बंद करवाओ, मेरे तो नहीं बचे, दूसरे के लाल को बचा लो। और इन्हें (आप) शर्म नहीं आती है ? जो नशे में धुत होकर गुरुओं का अपमान करे, वो चिट्टे से पंजाब को मुक्त नहीं कर सकता। अमित शाह ने हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा को वोट देना है, तो केवल और केवल नशा मुक्त पंजाब के लिए देना है। जो दिल्ली में शराब घोटाले में पकड़े गए हों, क्या वो पंजाब को नशा मुक्त कर सकते हैं ? आपने कांग्रेस को देखा, आम आदमी पार्टी को देखा... एक मौका पांच साल के लिए भाजपा को दे दो, हम नशा मुक्त पंजाब बनाकर देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो यह अभियान उठाया है, यह राजनीतिक एजेंडा नहीं है, यह पंजाब को बचाने का अभियान है। पंजाब में न हम ड्रग बेचने देंगे और न ही भारत के दूसरे राज्यों में जाने देंगे। भाजपा यह तभी कर सकती है, जब पंजाब का एक-एक युवा नरेंद्र मोदी को एक मौका दे।

इंडी गठबंधन की बैठक में ...

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), राष्ट्रीय जनता दल, माकपा, भाकपा, जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भाकपा (माले), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (एम), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, केरल कांग्रेस (जे) और अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक सहित 20 विपक्षी राजनीतिक दल शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्रकार वार्ता में कहा कि गठबंधन के सभी दल इन मुद्दों पर मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है और भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट चोरी कर रही है। चुनावों में लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराया जाना चाहिए। खड़गे ने कहा कि विपक्षी दल 2 से 8 अक्तूबर तक देशभर में *लोकतंत्र बचाओ मार्च* निकालेंगे। 6 अक्तूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। साथ ही विपक्षी नेता अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगेंगे। वे राष्ट्रपति को चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों की जानकारी देंगे। इसके बाद अक्तूबर-नवंबर में पांच बड़ी रैलियां भी आयोजित की जाएंगी। इनके स्थान और तारीखों का फैसला बाद में होगा। दिल्ली में एक बड़ी रैली 1 नवंबर को आयोजित की जाएगी। खड़गे ने विपक्षी दलों के लिए छह मांगें भी रखीं। इनमें भविष्य के चुनावों में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची का इस्तेमाल, मतदाता सूची में हर बदलाव की पूरी पारदर्शिता, किसी नाम को हटाने से पहले सूचना और अपील का अधिकार, पात्र मतदाताओं को प्रशासनिक कारणों से बाहर किए जाने से सुरक्षा, ईवीएम के बजाय बैलेट से मतदान और युवाओं के लिए सरल मतदाता पंजीकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में बदलाव की पूरी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। एसआईआर से पहले की मतदाता सूची को भविष्य के चुनावों में इस्तेमाल करने की मांग भी उन्होंने रखी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे सूचना दी जानी चाहिए। नाम हटाने का कारण बताया जाना चाहिए। उसे प्रभावी अपील का अवसर भी मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक खामियों, दस्तावेजों की कमी या जानकारी के अभाव के कारण पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने से सुरक्षा की मांग की। खड़गे ने दावा किया कि एसआईआर के तहत 13.3 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि नाम हटाए गए हैं तो यह भी बताया जाना चाहिए कि किसका नाम हटाया गया और क्यों हटाया गया। अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोग जरूरी है। मुख्य चुनाव आयुक्त के दो सहयोगी चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में 14 बार असहमति दर्ज कराई है। उन्होंने इसे मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यप्रणाली पर सवाल बताया और उनके पद से हटने की मांग की। खड़गे ने 2023 के मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित कानून का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश की जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। सरकार ने चुनाव आयोग को प्रभावित करने की व्यवस्था तैयार की है। खड़गे ने आरोप लगाया कि मतदाता पंजीकरण के फॉर्म-6 में बदलाव कर युवाओं के लिए पहली बार मतदाता बनने की प्रक्रिया कठिन की जा रही है। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के पंजीकरण की प्रक्रिया सरल और सुगम होनी चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इंडी गठबंधन के सभी नेताओं ने लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि संबंधित व्यक्ति कितना बड़ा या प्रभावशाली है। भारतीय लोकतंत्र हर व्यक्ति से बड़ा है। विपक्षी दलों ने मिलकर देश की जनता तक यह बात पहुंचाने में सफलता हासिल की है कि चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि युवाओं में इसे लेकर प्रतिरोध की भावना बढ़ रही है। विपक्षी दल मिलकर काम कर रहे हैं और आने वाले महीनों में देश में बड़े बदलाव लाने के लिए प्रयास करेंगे। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया कि इंडी गठबंधन एकजुट है और सभी दल साथ हैं। उन्होंने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाए। ममता ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। ममता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा उठाए गए *वोट चोरी* के मुद्दे के बाद चुनाव प्रक्रिया पर सवाल और स्पष्ट हुए हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा और बिहार में भाजपा की जीत तथा पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट समेत सभी स्तरों पर अपनी शिकायतें उठा चुके हैं। ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी की और ईवीएम से छेड़छाड़ की गई। मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। यदि इस्तीफा नहीं दिया गया तो आंदोलन को और आगे बढ़ाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन वर्षों में इंडी गठबंधन की यह 8वीं बैठक है, जबकि इस वर्ष की दूसरी बैठक है। इससे पहले 8 जून को भी विपक्षी दलों ने एसआईआर और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता के मुद्दे पर बैठक की थी। उस बैठक में आम आदमी पार्टी और द्रमुक शामिल नहीं हुए थे। इस बार भी आम आदमी पार्टी और द्रमुक की ओर से कोई प्रतिनिधि बैठक में शामिल हुआ। हालांकि, एसआईआर के मुद्दे पर 28 जून को भारत के मुख्य न्यायाधीश को भेजे गए विपक्षी दलों के संयुक्त पत्र पर दोनों दलों ने हस्ताक्षर किए थे।

1988 में हुई थी बैंक...

समद को अक्तूबर 2024 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। न्यायिक हिरासत में रहते हुए उस पर मुकदमा चला। अदालत ने इस मामले में लगभग 40 गवाहों से पूछताछ की। अभियोजन पक्ष ने सबूत के तौर पर 166 दस्तावेज और पंचनामा के तहत जब्त की गई 21 भौतिक वस्तुएं अदालत के सामने पेश कीं। शुरुआती जांच तत्कालीन मनंतवाडी पुलिस ने की थी और बाद में इसे जिला सीबीसीआईडी ने अपने हाथ में ले लिया।

भारत को सवर्ण हिंदू राष्ट्र ...

कि अगर ऐसा था, तो ये समुदाय वोटर लिस्ट में कैसे बने हुए हैं... क्या कोई कह सकता है कि यह आखिरी एसआईआर होगा ? चेन्नई के पेरियार थिडल में *मूवमेंट फॉर रिट्रीविंग वोटर राइट्स* की तरफ से आयोजित *ईवीएम पर रोक लगाओ, एसआईआर को खारिज करो* कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने बताया कि चुनाव आयोग की तरफ से हाल ही में किया गया एसआईआर, कुछ साल पहले किए गए एसआईआर से किस तरह अलग था। उन्होंने ये भी कहा कि देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए बहुत कम समय बचा है। परकला प्रभाकर ने राजनीतिक दलों से एकजुट रहने और एसआईआर के खिलाफ मजबूती से लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे चुनाव न लड़ने की भी अपील की और कहा कि चुनाव में हिस्सा लेने से केवल धोखाधड़ी को वैधता मिलेगी। प्रभाकर ने कहा कि चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल ठीक नहीं है। कई सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव का अध्ययन करके दावा किया कि 2024 का जनादेश चुराया हुआ था।

अरब सागर में 3000 ...

नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। भारतीय तटरक्षक बल के अनुसार, गुजरात एटीएस और केंद्रीय खुफिया एजेंसी के साथ मिलकर खुफिया जानकारी पर किए गए संयुक्त अभियान में भारतीय तटरक्षक बल की यूनिट्स ने लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में एक संदिग्ध ईरानी नाव को रोका। नाव की पहचान करने और लगातार निगरानी व पीछा करने के बाद तटरक्षक बल की टीम ने उस पर चढ़कर तलाशी ली। इस दौरान 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन जब्त की गई, जिसकी कीमत 3,000 करोड़ से ज्यादा है। साथ ही, नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी क्रू सदस्यों को भी पकड़ा गया। पकड़ी गई नाव और उसके क्रू को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि ड्रग्स की यह खेप समुद्री रास्ते से लक्षद्वीप होते हुए मुंबई पहुंचाई जानी थी। संयुक्त कार्रवाई में इसे गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया गया। फिलहाल एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ड्रग्स की खेप कहां से आई थी, इसे किसे सौंपा जाना था और इसके पीछे कौन-सा अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क सक्रिय है। समुद्री मार्ग से होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े अन्य संभावित लोगों और नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर होगी।

होजाई में राज्यपाल ने 101 वर्षीय उपेंद्र विश्वास को किया सम्मानित

होजाई (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने बुधवार को होजाई स्थित 101 वर्षीय उपेंद्र विश्वास के आवास पर पहुंचकर उन्हें *वरिष्ठ नागरिक सम्मान* से सम्मानित किया। यह सम्मान समाज और राज्य के प्रति उनके आजीवन योगदान एवं सेवा के लिए प्रदान किया गया। राज्यपाल ने उपेंद्र विश्वास को पारंपरिक गमछा, सेलेंग चादर, शॉल, धोती, छाता और फलों की टोकरी भेंट की। इसके अलावा उन्हें 51, 000 रुपए का चेक भी प्रदान किया। इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य ने उपेंद्र विश्वास के जीवन को समर्पण, परिश्रम और अनुशासन का प्रेरणादायक उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान उस पीढ़ी के मूल्यों, संघर्षों और योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करना है, जिसने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्यपाल ने उपेंद्र विश्वास के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

नगांव-मोरीगांव में सोनोवाल ने किया भाजपा प्रत्याशी के लिए चुनाव प्रचार

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री तथा असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को नगांव लोकसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा के समर्थन में मोरीगांव के डालंगघाट स्थित दौल मंदिर परिसर और नगांव के बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र के धिंग गेट में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। सोनोवाल ने कहा कि महिला शक्ति समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य में विभिन्न वर्गों के लोगों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए नगांव और मोरीगांव के मतदाताओं से भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा को समर्थन देने की अपील की। दोनों सभाओं में भाजपा की असम प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप सैकिया भी मौजूद रहे। उन्होंने लोगों से कमल के निशान पर मतदान करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *सबका साथ, सबका विकास* के तहत देश में हो रहे विकास में भागीदार बनने का आह्वान किया। असम सरकार के कैबिनेट मंत्री रामेश्वर तेली ने भी सभाओं को

संबोधित करते हुए देवाशीष शर्मा के पक्ष में मतदान की अपील की। वहीं, कैबिनेट मंत्री बिश्वजीत दैमारी ने जागीरोड विधानसभा क्षेत्र के डोंगाबरी और बाघजाप में दो चुनावी सभाओं में हिस्सा लेकर भाजपा उम्मीदवार के लिए प्रचार किया। कार्बी आंगलोंग स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य एवं विधायक तुलीराम रोंगहांग ने जागीरोड क्षेत्र के कुरानीबरी, हाटीउठा, बुरागांव और पाभकाती में चार चुनावी सभाओं को संबोधित किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगांव लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक मंडल में बूथ स्तर पर चुनाव प्रचार अभियान भी जारी रखा।

एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंचने पर लवलीना बरगोहाई के पिता ने जताई खुशी

गोलाघाट (हिंस)। असम की बॉक्सर लवलीना बरगोहाई ने एशियाई खेलों में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नतालिया बोगदानोवा को 3-2 से हराकर गोल्ड मेडल के मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत के बाद उनके माता-पिता ने आज खुशी जाहिर की। लवलीना के पिता, टिकेन बरगोहाई ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें खुशी है कि उनकी बेटी ने भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है और उन्हें उम्मीद है कि वह फाइनल में गोल्ड मेडल भी जीतेगी। टिकेन ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि उसने सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। उसका वजन लगभग दो किलो बढ़ गया है और वह अब थोड़ी थकी हुई है, साथ ही वह सख्त डाइट भी फॉलो कर रही है। लवलीना 2 अक्तूबर को गोल्ड मेडल के लिए मुकाबला करेगी, जो उसका जन्मदिन भी है। उसके पिता ने कहा कि इस मौके पर गोल्ड मेडल मिलना एक खास तोहफा होगा। उन्होंने कहा कि उसका फाइनल 2 अक्तूबर को है और उस दिन उसका जन्मदिन भी है। अगर वह फाइनल जीतती है, तो यह उसके लिए सबसे अच्छा तोहफा होगा। टिकेन ने लोगों से अपील की कि वे फाइनल से पहले लवलीना को अपना आशीर्वाद और समर्थन देते रहें। उन्होंने बताया कि लवलीना आम तौर पर अपने मुकाबलों से पहले अपने माता-पिता को फोन करती है और सेमीफाइनल से पहले भी उसने उनसे बात की थी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा अपने मैच से पहले हमें फोन करती है। वह बहुत खुश थी और हमने भी उसे आशीर्वाद दिया। लवलीना की मां, मामोनी बरगोहाई ने कहा कि जब उनकी बेटी ने सेमीफाइनल की सुबह उन्हें फोन किया तो उन्हें खुशी हुई और उन्होंने उम्मीद जताई कि वह फाइनल भी जीतेगी। मामोनी ने कहा कि उसने मैच से पहले सुबह हमें फोन किया और हम बहुत खुश थे। हमें उम्मीद है कि वह फाइनल जीतेगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या एशियाई खेलों के बाद लवलीना असम लौटेगी, तो टिकेन ने कहा कि उन्हें पक्का नहीं पता, क्योंकि एक और वर्ल्ड चैंपियनशिप आने वाली है। ओलंपिक में ब्रांज मेडल जीतने वाली लवलीना अब लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंची है। उन्होंने हांगझोऊ में 2023 एशियाई खेलों में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीता था और अब वह फाइनल में अपने खिताब का बचाव करने की कोशिश करेंगी।

धान खरीद पर नव नियुक्त पीपीसी प्रबंधकों के लिए गुवाहाटी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड (एएफसीएससीएल) की ओर से बुधवार को खानापाड़ा स्थित ग्रामीण विकास राज्य संस्थान (एसआईआरडी) के अकादमिक हॉल में नव नियुक्त धान खरीद केंद्र (पीपीसी) प्रबंधकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नव नियुक्त पीपीसी प्रबंधकों को असम में धान खरीद से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं, परिचालन आवश्यकताओं और तकनीकी पहलुओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम में असम सरकार के खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अपर मुख्य सचिव विश्व रंजन सामल, आईएएस, एएफसीएससीएल के उपाध्यक्ष देवान ध्रुवज्योति मरल, विभाग की सचिव अनुसुआ दत्ता बरुवा, आईएएस और एएफसीएससीएल की प्रबंध निदेशक पारिजात भुइयां सहित प्रशिक्षु पीपीसी प्रबंधक, जिला अधिकारी तथा निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान किसानों के पंजीकरण, धान की गुणवत्ता के आकलन, धान खरीद में कृषि विभाग की भूमिका, किसानों को न्यूनतम् समर्थन मूल्य (एमएसपी) के भुगतान, परिवहन एवं गोदाम के बिल जमा करने तथा मिलिंग प्रोत्साहन से संबंधित प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा धान खरीद से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी के पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इसके लिए दो बैच में व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को खरीद प्रक्रिया से जुड़ी परिचालन संबंधी चुनौतियों और समस्याओं पर चर्चा करने तथा उनका समाधान जानने का अवसर भी दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पीपीसी प्रबंधकों की खरीद प्रक्रियाओं, गुणवत्ता मानकों और दस्तावेजी आवश्यकताओं की समझ को मजबूत करना तथा राज्य में धान खरीद व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।

कोकराझाड़ के गौड़ नगर में प्रतिबंधित मांस बरामद एक युवक हिरासत में

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला शहर के गौड़ नगर इलाके में बुधवार को मोटरसाइकिल दुर्घटना के बाद करीब 15 से 20 किलोग्राम संदिग्ध प्रतिबंधित मांस बरामद किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, कोकराझाड़ सदर शहर स्थित आवर्त भवन के समीप एक मोटरसाइकिल और स्कूटी के बीच टक्कर हो गई। बताया गया है कि मोटरसाइकिल पर सवार युवक दो बैग में मांस लेकर जा रहा था। दुर्घटना के दौरान मांस सड़क पर गिर गया। स्कूटी सवार युवक कॉलेज का छात्र बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क पर पड़े मांस को जब्त कर जांच के लिए भेज दिया। पुलिस ने मांस की प्रकृति की पुष्टि के लिए आवश्यक परीक्षण शुरू किया है।

होजाई में राज्यपाल के नेतृत्व में नशा मुक्त भारत संकल्प पदयात्रा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के नेतृत्व में बुधवार को होजाई में नशा मुक्त भारत संकल्प पदयात्रा निकाली गई। रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के नए परिसर से आयोजित इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवा स्वयंसेवकों, एनसीसी और एनएसएस कैडेटों, सामाजिक संगठनों, पूर्व सैनिकों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण के साथ हुई। इसके बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए आचार्य ने कहा कि होजाई से निकलने वाला नशा मुक्ति और जागरूकता का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान को जन आंदोलन में

बदलने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। राज्यपाल ने पदयात्रा को संकल्प, जागरूकता और आशा की यात्रा बताते हुए युवाओं से अपनी ऊर्जा को रचनात्मक गतिविधियों में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। आचार्य ने अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षणिक संस्थानों, युवा संगठनों और सामाजिक संस्थाओं से नशा मुक्ति को लेकर निरंतर संवाद और सहयोग का वातावरण बनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं को खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों, एनसीसी, एनएसएस, सामुदायिक सेवा और कौशल विकास जैसे सकारात्मक क्षेत्रों से जोड़ने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने महात्मा गांधी, भगत सिंह, खुदीराम बोस, अशफाक उल्ला खान और सरदार वल्लभभाई पटेल सहित स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने असम के स्वतंत्रता सेनानियों मनीराम देवान, शहीद कुशल कुंवर, पियली फूकन, कनकलता बरुवा और कमला मिरी के योगदान को भी याद किया। पदयात्रा रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के नए परिसर से शुरू होकर निर्धारित समापन स्थल पर पहुंची, जहां राज्यपाल ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। होजाई के जिला आयुक्त संजय दत्ता ने प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत संकल्प की शपथ दिलाई। इस दौरान सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, विधायक शिलादित्य देव, विधायक सिबू मिश्रा, पुलिस अधीक्षक निरुपम हजारिका, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मानवेंद्र दत्ता चौधरी सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कोकराझाड़ में शव मिलने से फैली सनसनी

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। कोकराझाड़ जिला शहर के वार्ड नंबर 7 स्थित बागानशाली इलाके में बुधवार की सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद होने के चलते इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, बागानशाली में सड़क किनारे एक बिजली के खंभे के पास स्थानीय लोगों ने शव पड़ा देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कोकराझाड़ पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शव को बरामद करने के साथ ही घटना की प्रारंभिक जांच शुरू की। मृतक की पहचान अंतिम सूचना मिलने तक नहीं हो पाई थी। घटना की परिस्थितियां संदिग्ध होने के कारण पुलिस इस आशंका को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है कि कहीं व्यक्ति की हत्या कर शव को वहां लाकर तो नहीं फेंका गया। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रवादी राजनीति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में बुधवार को *राष्ट्रवादी राजनीति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद* विषय पर चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में असम के प्रमुख आरएसएस कार्यकर्ता तीर्थंकर दास कलिता ने वक्ता के रूप में विचार रखे। सत्र का शुभारंभ भाजपा के मुख्य प्रवक्ता किशोर उपाध्याय ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए वक्ता का परिचय कराया। कलिता ने राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणाओं तथा भारतीय सभ्यतागत दृष्टिकोण में उनके स्थान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने राष्ट्र, धर्म और संस्कृति जैसे शब्दों के अर्थ समझाते हुए कहा कि अंग्रेजी के *नेशन, रिलिजन* और *कल्चर* शब्द इनके अर्थों को पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाते। उन्होंने भारत की ऐतिहासिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सभ्यतागत दृष्टिकोण में शासकों और राजाओं को भी कानून के अधीन माना जाता था। उन्होंने सामूहिक कल्याण तथा सभ्यतागत राष्ट्रवाद की अवधारणा पर भी जोर दिया। कलिता ने जनजातीयता, क्षेत्रवाद और राष्ट्रवाद के बीच

अंतर पर चर्चा करते हुए जनजातीय समुदायों पर ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि औपनिवेशिक शासन ने इन समुदायों का शोषण किया, उन्हें अलग-थलग किया और विभिन्न श्रेणियों में बांटा। उन्होंने दावा किया कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस सरकार के दौरान भी अलग-अलग रूपों में ऐसी प्रवृत्तियां जारी रहीं। उन्होंने भाजपा की अंत्योदय अवधारणा को विकेंद्रीकरण तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के व्यापक विचार से जोड़कर समझाया। राष्ट्रवाद के विकास का उल्लेख करते हुए कलिता ने कहा कि आधुनिक पश्चिमी राजनीतिक संदर्भ में राष्ट्रवाद अपेक्षाकृत नई अवधारणा है, जबकि भारत में उनकी दृष्टि से भौगोलिक विविधता के बावजूद ऐतिहासिक रूप से एक साझा सभ्यतागत पहचान रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की व्याख्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने असम में बसे एक बंगाली परिवार द्वारा अपने बच्चे का नाम *सोमनाथ* रखने का उदाहरण दिया। उन्होंने इसे क्षेत्रीय सीमाओं से परे भारत की सांस्कृतिक कड़ियों का उदाहरण बताया। कलिता ने वसुधैव *कुटुम्बकम्* की अवधारणा और वर्तमान समाज में उसकी प्रासंगिकता पर भी चर्चा की। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय आदर्श वाक्य *सत्यमेव जयते* का उल्लेख करते हुए इसके उपनिषद से उद्भव की जानकारी दी तथा भारतीय सभ्यतागत परंपराओं, हिंदुत्व और संवैधानिक व्यवस्था के बीच संबंधों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर सवाल किए और कलिता ने उनके जवाब दिए। मुख्य प्रवक्ता किशोर उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापन किया और चर्चा में विचार साझा करने के लिए कलिता तथा कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोकराझाड़ में प्रनाम आयोग को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ साइंस कॉलेज सभागार में बुधवार को जिला प्रशासन के सहयोग से तथा प्रनाम आयोग के तत्वावधान में प्रनाम आयोग को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आयोग की भूमिका, कार्यप्रणाली और पारिवारिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में जिला अतिरिक्त आयुक्त पलाश रंजन आहोम ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रनाम आयोग के आयुक्त फणीन्द्र कुमार बुजरबरुवा ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक परिवार व्यवस्था में माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी और देखभाल के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने अच्छे संस्कार और आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रनाम आयोग की एक अन्य आयुक्त युगबाला बुढ़ागोहाई ने दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति के माध्यम से आयोग की विभिन्न गतिविधियों, भूमिका और कार्यप्रणाली के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी।

हिंदी के रंग में रंगा रंगिया मंडल राजभाषा पखवाड़े का समापन

रंगिया (विभास)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के रंगिया मंडल के मंडल कार्यालय स्थित सभा कक्ष-सह-हिंदी पुस्तकालय में राजभाषा पखवाड़े का समापन समारोह मंडल रेल प्रबंधक, अनंत सदाशिव की अध्यक्षता में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी-सह-अपर मंडल रेल प्रबंधक, अजय कुमार सिंह, उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, गणेश प्रसाद ने किया। इस अवसर पर मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समारोह के दौरान अधिकारियों के लिए विशेष रूप से क्विज एवं शब्द संसाधन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अधिकारियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी भाषायी दक्षता एवं राजभाषा के व्यावहारिक ज्ञान का परिचय दिया। समापन समारोह के अवसर पर मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें मंडल में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन, कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के प्रयोग की प्रगति तथा आगामी अवधि में राजभाषा संवर्धन हेतु किए जाने वाले प्रयासों पर विचार-विमर्श किया गया। पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नकद पुरस्कार एवं उपलब्धि प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने अपने संबोधन में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक एवं प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि राजभाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारे कार्यालयीन कार्यों में सहज संवाद, कार्यकुशलता और जनसेवा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से दैनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देने का आह्वान किया।

विश्वनाथ महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यानमाला और हिंदी दिवस आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, विस्तार अनुभाग के व्याख्यानमाला प्राध्यापक योजना के अंतर्गत असम राज्य के प्रमुख शैक्षिक संस्थान विश्वनाथ महाविद्यालय में 23 सितंबर को हिंदी विभाग के विद्यार्थी को सुदूर वैश्य महाविद्यालय, भिवानी, हरियाणा से पधारे प्रोफेसर डॉ. विपिन गुप्ता ने *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय भाषाओं का स्थान* और *रोजगार के अवसर* पर सारगर्भित व्याख्यान से विद्यार्थी को लाभान्वित किए। व्याख्यान से पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि तथा व्याख्याता प्रोफेसर विपिन गुप्ता के सरस्वती मां के समीप दीप प्रज्ज्वलन व दीप मंत्रोच्चारण से हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे, सचिव संतोष कुमार महतो, संस्कृत विद्वान लोकनाथ शास्त्री, सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी मदन गोपाल साहू, विशिष्ट अतिथि राजीव गांधी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ.राजीव रंजन प्रसाद, महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग वरिष्ठ अध्यापक नरेश ठाकुर मौजूद थे। महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता विर्मा के संचालन में आयोजित सभा का अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चिंतामणि शर्मा ने की। मुख्य अतिथि प्रो. विपिन गुप्ता और विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव रंजन प्रसाद को असम के जातीय प्रतीक जापी और फुलाम गामोछा से भव्य अभिनंदन किया गया। अध्यापिका वर्मा ने सभा की उद्देश्य व्याख्या की। इसके बाद प्राचार्य डॉ. चिंतामणि शर्मा ने स्वागत भाषण दी। इसके बाद मुख्य अतिथि व वक्ता प्रो. विपिन गुप्ता ने अपनी व्याख्यान की प्रस्तुति दी। इस मौके पर हिंदी दिवस का भी पालन किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव रंजन प्रसाद, विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे ने हिंदी के महत्ता पर प्रकाश डाले। सभा में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। अध्यापिका गीता वर्मा के संचालन में सभी प्रतिभागी विद्यार्थी को पुरस्कृत किया गया। अंत में अध्यापिका गीता वर्मा ने आभार ज्ञापन की। कार्यक्रम महाविद्यालय के छात्र, अन्य विभाग के अध्यापक-अध्यापिका और विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सहाय-सहयोग से संपन्न हुई।

धुबड़ी : 2026 में सिलसिलेवार नशा विरोधी अभियान चलाकर अब तक कुल 380 लोग गिरफ्तार

धुबड़ी (विभास)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित धुबड़ी जिले में पुलिस को नशा विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 2026 में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सिलसिलेवार अभियान चलाकर लगभग नौ करोड रुपए मूल्य के विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थ बरामद किया। इसके साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप में पुलिस ने 380 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवाशीष बोरा के अनुसार नशा विरोधी अभियान के तहत जिले के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर कूल 225 मामले दर्ज किए गए हैं। उक्त इस तस्करी के मामले में इस्तेमाल होने वाले 55 वाहनों को भी जब्त किया है। पुलिस इस मामले में 3 किलोग्राम हेरोइन, 1 किलो 600 ग्राम ब्राउन शुगर, 70 किलो गांजा सहितअनेकों प्रकार के नशीले कैप्सूल बरामद किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीमावर्ती क्षेत्र से होने वाली ड्रग्स तस्करी को रोकने के लिए पुलिस की अभियान और तेज कर दिया है। जिले में ड्रग्स के प्रसार को रोकने के लिए आने वाले दिनों में भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

संपादकीय

महिला सुरक्षा का संकट

यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे-बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कायदे-कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंतर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतः संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ यही नहीं पूछा कि ये संगीन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये-नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए? उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में उलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नदारद मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में सिर्फ पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। ऐसे में सड़कों में स्ट्रीट लाइट न होने पर म्युनिसिपल एजेंसियां, ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, प्रशासक, तकनीक उपलब्ध करने वाले विभाग और न्याय व्यवस्था आदि सभी सुरक्षा श्रृंखला का हिस्सा हैं। निर्विवाद रूप से किसी भी एक स्तर पर विफलता के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। दिल्ली के बहुचर्चित निर्भया प्रकरण के चौदह साल बाद मिला यह सबक स्पष्ट करता है कि कानून और योजनाएं तो बस शुरुआत मात्र हैं। असली कसौटी तो उनके लागू होने में है। इस आलोक में किसी पार्क में जाने, बस में चढ़ने या घर पैदल जाने वाली किसी महिला को इस बात पर आशंकित नहीं होना चाहिए कि किसी संकट की स्थिति में सुरक्षा के लिये बना सिस्टम काम करेगा भी या नहीं। निस्संदेह, किसी भी नागरिक को सुरक्षा प्रदान करना राज्य की जिम्मेदारी है। सही मायने में यही जवाबदेही ही इस जिम्मेदारी को हकीकत बनाती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश के बाद शासन-प्रशासन महिला सुरक्षा की गंभीर चिंता को संवेदनशील ढंग से महसूस करेंगे। तभी संकट के समय महिलाएं आश्वस्त हो सकेंगी कि सिस्टम उनकी मदद के लिये तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करने के लिए आगे आएगा।

कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंतर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतः संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ यही नहीं पूछा कि ये संगीन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये-नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए? उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में उलझकर रह जाती हैं।

स्ट्रेचर पर लेटे घबराए मरीज के पास न तो इलाज के दाम की तुलना करने का समय होता है और न ही मोल-भाव करने की शक्ति

मरीज के भरोसे का सौदा करने पर हो सख्ती

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन का हालिया सर्वे इस समस्या की भयावहता को उजागर करता है। पड़ताल करने वालों ने पाया कि इंटरावेनस (आईवी) इन्फ्यूजन सेट की जो लागत अस्पताल को 11.05 रुपये पड़ती है, उसका दाम मरीज से 325 रुपये वसूला गया—यानी 2,841 प्रतिशत अधिक। 29.41 रुपये में खरीदे गए कैथेटर का अधिकतम खुदरा मूल्य 310 रुपये वसूला गया, जो 954 फीसदी अधिक है। कई तरह के आवश्यक मेडिकल सामानों पर कीमतें बहुधा 2,841 प्रतिशत तक ज्यादा पाई गईं। खाद्य एवं औषधि आयुक्त तुकाराम मुंडे ने डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स और नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को पत्र लिखकर केंद्रीय समीक्षा और स्पष्ट नियमों की मांग की है, ताकि खरीद दाम और घोषित अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच कितने अंतर की अनुमति हो, यह तय किया जा सके। अस्पताल एक वैध वाणिज्यिक संस्था की श्रेणी में आते हैं।

जैसे ही कोई मरीज अस्पताल में भर्ती होता है, व्यवसाय के मानक नियम पूरी तरह भंग हो जाते हैं। स्ट्रेचर पर लेटे घबराए मरीज के पास न तो इलाज के दाम की तुलना करने का समय होता है और न ही मोल-भाव करने की शक्ति। वे अनिश्चितता के असामान्य स्तर को स्वीकार कर लेते हैं, यह यकीन करते हुए कि जो इलाज सुझाया जा रहा है, वह जरूरी है और उसका दाम वाजिब है। जब अस्पताल इस मजबूरी का फायदा उठाकर बहुत ज्यादा मुनाफा कमाने लगें, तो यह उस भरोसे को बुरी तरह ध्वस्त करने जैसा है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन का हालिया सर्वे इस समस्या की भयावहता को उजागर करता है। पड़ताल करने वालों ने पाया कि इंटरावेनस (आईवी) इन्फ्यूजन सेट की जो लागत अस्पताल को 11.05 रुपये पड़ती है, उसका दाम मरीज से 325 रुपये वसूला गया—यानी 2,841 प्रतिशत अधिक। 29.41 रुपये में खरीदे गए कैथेटर का अधिकतम खुदरा मूल्य 310 रुपये वसूला गया, जो 954 फीसदी अधिक है। कई तरह के आवश्यक मेडिकल सामानों पर कीमतें बहुधा 2,841 प्रतिशत तक ज्यादा पाई गईं। खाद्य एवं औषधि आयुक्त तुकाराम मुंडे ने डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स और नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को पत्र लिखकर केंद्रीय समीक्षा और स्पष्ट नियमों की मांग की है, ताकि खरीद दाम और घोषित अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच कितने अंतर की अनुमति हो, यह तय किया जा सके। अस्पताल एक वैध वाणिज्यिक संस्था की श्रेणी में आते हैं। उनके लिए खरीद दाम, साफ-सुथरा भंडारण, पर्याप्त स्टॉक बनाए रखना और बर्बादी को लागत में जोड़ना एक जरूरत है, और वाजिब मुनाफा कमाने का हक भी है। लेकिन एक टिकाऊ व्यापारिक मुनाफे और मजबूर ग्राहक से ज्यादा पैसे उगाहने के बीच सीमारेखा स्पष्ट है। किसी भी अन्य उद्योग में ऐसा करने पर तुरंत 'विश्वास-भंग' का जुर्माना लग सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में, जहां ग्राहक बीमार और डरा हुआ होता है तथा कहीं और तुरंत जा नहीं सकता, इसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, जहां अनाप-शनाप दाम वसूलना एक परिपाटी बन जाए, वहां नियामक

परामर्श काफी नहीं होते। जो अस्पताल जान-बूझकर ज्यादा कीमत वसूलते हैं, उनके लिए अतिरिक्त लिया गया पैसा मरीजों को वापस लौटाना और भारी जुर्माना भरना अनिवार्य किया जाना चाहिए। बार-बार ऐसा करने वालों को दंड स्वरूप सरकारी स्वास्थ्य बीमा पैनल से बाहर करना और निजी भुगतान नेटवर्क से कुछ समय के लिए निलंबित या फिर स्थायी रूप से काली सूची में डाल देना चाहिए। हालांकि, हमें कुछ मेडिकल सामानों पर वसूले जाने वाले बहुत ज्यादा मुनाफे को शेष सामान्य वस्तुओं पर भी लागू मानकर, एकमुश्त सख्त दाम नियंत्रक निजाम बनाने की गलती करने से बचना होगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने हाल ही में आवश्यक मेडिकल प्रक्रियाओं पर 'कड़ी ऊपरी कीमत' तय करने, तमाम स्टैंडर्ड मेडिकल ऑपरेशनों के लिए पैकेज रेट तय करने और मेट्रो शहरों के अस्पतालों के कमरों का किराया आसपास के थ्री-स्टार होटलों के कमरों के किराए के बराबर करने के लिए एक कानूनी संस्था बनाने की सिफारिश की है। बेशक, समिति ने मरीजों की परेशानी को सही ढंग से समझा है, लेकिन उसके सुझाए गए उपायों से स्वास्थ्य तंत्र को भारी नुकसान पहुंचने का खतरा भी है। आईवी सेट एक मानकीकृत औद्योगिक उत्पाद है, जबकि क्लीनिकल देखभाल वैसी नहीं है। एक ही बीमारी वाले दो मरीजों को उम्र, दिल की बीमारी के इतिहास या सर्जरी की जटिलता के आधार पर एकदम अलग इलाज की आवश्यकता हो सकती है। बीमारी के लिए विशिष्ट विशेषज्ञता वाले अस्पताल में कई घंटों तक चलने वाली जटिल कैंसर सर्जरी की कीमत को उसी तर्क से तय नहीं किया जा सकता, जिससे प्लास्टिक कैथेटर की कीमत तय की जाती है। जब सरकारें सख्त और तयशुदा कीमतें लागू कर देंगी, तो दो चीजें होंगीः अगर ऊपरी कीमत बहुत ज्यादा रख दी जाएगी, तो मरीजों को कोई खास बचत नहीं होगी; अगर यह सीमा बहुत कम रखी जाएगी, तो गुणवत्ता प्रभावित होगी। सेवा प्रदाता तब गुणवत्ता से समझौता करने लगेंगे, ज्यादा जोखिम वाले या जटिल मामलों को लेने से मना कर सकते हैं, छिपे हुए चार्ज जोड़ने लगेंगे या आधुनिक तकनीक में निवेश करना रोक देंगे। आयुष्मान भारत (पीएम-जय) के लिए क्रय-ढांचा तैयार करने में कई साल बिताने के बाद, मैंने इस प्रक्रिया को करीब से देखा है। कागज पर कीमत की सीमा तय करना आसान है। यह सुनिश्चित करना कहीं ज्यादा मुश्किल है कि मरीज को उस कीमत पर वास्तव में अच्छी गुणवत्ता वाली, सुरक्षित और सही इलाज मिले। दामों पर एकमुश्त अंकुश लगाने के बजाय, भारत को एक विशेष पांच-सूत्रीय नियामक रणनीति की जरूरत है। प्रथम, अस्पतालों द्वारा वसूली जाने वाली कीमतों में वास्तविक पारदर्शिता बनाना। प्रत्येक अस्पताल एक समान डिजिटल प्रारूप में इलाज के दाम की सूची प्रकाशित करे। पूर्व निर्धारित अस्पताल भर्ती के मामले में, मरीजों को कुल खर्च का एक अनुमान मिलना चाहिए, जिसमें व्यवसायिक फीस, जांच एवं परीक्षण, इलाज, दवाएं, उपकरण, इस्तेमाल होने वाली अन्य चीजें और कमरे का किराया शामिल हो। यदि अंतिम बिल अनुमान से काफी ज्यादा बने, तो अस्पताल को इसकी वजह बतानी चाहिए, सिवाय उन मामलों के जहां कोई अप्रत्याशित मेडिकल स्थिति पैदा हो जाए। पारदर्शिता खास तौर पर महंगी दवाओं, इम्प्लांट और इस्तेमाल होने वाली चीजों के मामले में होनी चाहिए। द्वितीय, अनुचित मुनाफे को सही सिद्ध न कर पाने पर सख्ती से कदम उठाएं। स्टैंडर्ड दवाओं, उपकरणों और इस्तेमाल होने वाली चीजों के मामले में नियामकों को असामान्य कीमतों पर लगातार नजर रखनी चाहिए। प्रत्येक उत्पाद की अंतिम कीमत खुद तय करने की बजाय मुनाफे की तार्किक सीमा बांधना, संदर्भ मूल्य और व्यवस्थित कीमत निगरानी तंत्र ज्यादा सही तरीके हैं। लेकिन नियामक तंत्र असरदार होना चाहिए। जो अस्पताल बार-बार अनुचित चार्ज लगाते पाए जाएं, वहां जुर्माना इतना बड़ा होना चाहिए कि उनकी यह प्रवृत्ति बदल जाए। सरकारी फंड वाली योजनाओं या स्वास्थ्य बीमा नेटवर्क के तहत पैनल में शामिल होना फायदेमंद है। निरंतर गलत इस्तेमाल से यह सुविधा खतरे में पड़ सकती है। तृतीय, सरकार और बीमा कंपनियां अपनी थोक क्रय शक्ति का अधिक असरदार ढंग से प्रयोग करें। ज्यादातर बहस इस बात पर होती है कि अस्पताल मरीजों से क्या चार्ज करें। हम इस बात पर बहुत कम ध्यान देते हैं कि अस्पताल और सरकारी खरीदार खुद दवाओं, डिवाइस और इम्प्लांट के लिए क्या कीमत चुकाते हैं। थोक खरीद का अनुभव, टाटा मेमोरियल सेंटर बताता है कि बचत की कितनी बड़ी गुंजाइश रहती है। सरकारी योजनाएं करोड़ों लोगों की स्वास्थ्य देखभाल का खर्च उठाती हैं। इस विशाल क्रय शक्ति का फायदा बेहतर दाम पाने के लिए मोल-भाव करने में उठाया जाना चाहिए।

देश दुनीया से

शक्ति संतुलन, कूटनीति और जलवायु संकट

विश्व में अनेक स्तर पर हो रहे युद्धों, दो या अधिक देशों के पारस्परिक सशस्त्र संघर्षों तथा अन्य राजनीतिक प्रतिकूलताओं व नकारात्मक प्रतिस्पद्र्धाओं के बीच संपन्न संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक महासभा में अत्यधिक हलचल रही। सन् 2014 के बाद महासभा में ऐसी हलचल प्रत्येक वर्ष हो रही है और आगामी वर्ष में तीव्र से तीव्रतम हो रही है। जब तक दुनिया में संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य देशों- अमरीका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन के देशज हित सधते रहे, तब तक महासभा का आयोजन शेष विश्व के लिए एक साधारण आयोजन हुआ करता था। किंतु जब से उक्त पांच देशों के मध्य स्वार्थ साधने एवं शीर्ष पर स्थापित होने की स्पर्धा बढ़ी तथा इनके प्रतिस्पद्र्धी बनकर दुनिया के कुछ अन्य देश भी खड़े हुए हैं, तब से महासभा की वार्षिक बैठक आरोप-प्रत्यारोप का मंच बन गई है। पांच देशों के प्रतिस्पद्र्धी बनकर खड़े होने वाले देशों में सम्मिलित हैं भारत, जर्मनी, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया। विशेषकर भारत में 2014 के बाद जो शासन तंत्र स्थापित हुआ और जिस प्रकार स्वदेशी गौरव के प्रति एक तीव्र शासकीय एवं लोकतांत्रिक हलचल होनी आरंभ हुई, उस परिस्थिति में संयुक्त राष्ट्र के प्रभुत्व में दबदबा बनाए रखने वाले प्रमुख पांच देशों में से अमरीका, चीन एवं ब्रिटेन को कुछ अधिक बेचैनी हो गई है। भारत, रूस एवं चीन के नेतृत्व में ब्रिक्स सहित दक्षिण एशियाई एवं मध्य पूर्वी देशों के बीच अमरीकी-यूरोपीय शासकीय प्रभुत्व को खंडित करने के लिए वैचारिक एवं व्यावहारिक स्तर पर जो नवचेतना जागृत हुई है, उसने भी विश्व को पिछले एक-डेढ़ दशक में पहले तो शीतयुद्ध में धकेला और अब उस कारण धीरे-धीरे विभिन्न स्तरों पर देशों के मध्य सशस्त्र संघर्ष भी बढ़ रहा है। जिस प्रकार विश्व समय-समय पर शीतयुद्ध से प्रभावित रहा है, उसी प्रकार भारत के केंद्रीय कल्याणकारी भूमिका में अवतरित होने के बाद संपूर्ण विश्व में शीत-समन्वय की धारणा जड़ें जमा रही है। अघोषित रूप से भारत की विदेश नीति सर्वमान्य हो रही है। विदेशों में भारत के मानवतावादी सिद्धांत की प्रशंसा हो रही है। किसी भी मंच पर भारत का मत स्वार्थ से विलग जगहित के लिए होता है। इस भाव को दुनिया के अधिसंख्य देश पहचान रहे हैं। भारत के शत्रु देश भी इस भावना से भलीभांति परिचित हैं। इसीलिए वे भारतीय पराभव के लिए अनेक प्रकार के षड्यंत्रों में लिप्त हैं। महासभा के मंच पर जहां अधिसंख्य देशों एवं उनके प्रमुखों तथा प्रमुखों की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधियों ने अपने-अपने हितों के रक्षार्थ भाषण किया तथा अपने शत्रु देश के प्रति आक्रोश से भरकर अपनी-अपनी आपत्तियां प्रकट कीं, वहीं भारतीय प्रतिनिधि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अत्यंत शांत होकर, संयम एवं विनीत भावना के साथ वैश्विक युद्धजन्य संघर्षों, प्राकृतिक चुनौतियों, असमान सुख-सुविधाओं के वितरण, आदि मानवीयता-केंद्रित विषयों पर संभाषण किया तथा पारस्परिक सेवा व सहयोग के विचार के साथ विकसित होने के विचार पर बल दिया। हालांकि उन्होंने भी भारत के पारंपरिक शत्रु देश पाकिस्तान पर मंच से दोषारोपण किया, किंतु ऐसा आरोप कल्पना आधारित नहीं है। यह अनेक स्तर पर प्रामाणिक है। यह अलग बात है कि न तो अमरीका और न ही संयुक्त राष्ट्र ने इस पर आज तक गंभीरतापूर्वक विचार किया है। संयुक्त राष्ट्र की अप्रासंगिकता एवं अनुपयोगिता को स्वीकार करके ही तो दक्षिण एवं पश्चिमी एशिया में ब्रिक्स जैसा संगठन वर्ष-प्रतिवर्ष वृहद आकार ले रहा है। इस संगठन की व्यावहारिक व उपयोगी कार्यप्रणालियों के कारण शनैः.शनैः जी-7 एवं जी-20 जैसे समूहों की आवश्यकता व उपयोगिता पर संकट मंडरा रहा है। जी-7 एवं जी-20 जैसे समूहों के बल पर ही संयुक्त राष्ट्र की भी प्रासंगिकता है। ऐसे में यदि ब्रिक्स का आकार प्रत्येक वर्ष बढ़ता रहा और इसमें यूरोप, अफ्रीका एवं दुनिया के अन्य द्वीपों के देश सदस्यों के रूप में जुड़ते रहे तो वास्तव में अमरीका, ब्रिटेन व यूरोप का वैश्विक प्रभाव अत्यंत कम हो जाएगा। इन्हीं चिंताओं से घिरकर अमरीका, ब्रिटेन के नेतृत्व में विश्व को निरंतर विभिन्न स्तर पर सशस्त्र युद्धों, आतंकी घटनाओं एवं लोकतंत्र के विरोध में अराजक आंदोलनों में धकेला जा रहा है। इस संवेदनशील स्थिति में पूरे विश्व में भारत ही एकमात्र देश है, जो सर्वहित की बात करता है, जो परस्पर सहायता एवं सहयोग के बल पर विकसित होने का विकल्प सम्मुख रखता है, जो कठोर सशस्त्र संघर्षों के बीच भी समझौता, शांति एवं मानवता के मार्ग को चुनने की सलाह देता है। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भी भारत ने एस. जयशंकर के माध्यम से ऐसा ही किया है। विदेश मंत्री की बातों के मर्म को समझा जाए तो स्पष्ट होता है कि यह भारतीय अध्यात्म, दर्शन, धर्म एवं सर्वहितैषी भाव के केंद्रीय विचार का ही संभाषणीय प्रतिपादन है। ऐसी भावना का प्रतिनिधि भारत ही हो सकता है। ब्रिक्स हो अथवा संयुक्त राष्ट्र, सभी मंचों पर अब देश को न तो इंडिया लिखा जाता है और न बोला जाता है। अब देश का संबोधन भारत के रूप में होता है। यह हिंदुस्थानियों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। लाख शासकीय कमियों के उपरांत भी विगत 12 वर्षों के भारतीय केंद्रीय शासन की विदेश नीति सबसे अच्छी नीति के रूप में साकार हुई है और इसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि भारत विभिन्न प्रकार के संघर्षों में उलझी हुई दुनिया और इसके देशों के लिए सकारात्मक संभाषण करते हुए हरेक मंच को सकारात्मकता प्रदान करता है, किंतु वास्तविकता पर ध्यान लगाएं तो वह यही है कि संघर्षों के लिए दोषी देश केवल मंच की परिधि में ही रहकर भारत या किसी अन्य देश की ऐसी सकारात्मकता पर ध्यान लगाते हैं, और मंचावधि समाप्त होते ही पुनः अपने-अपने हठ, स्वार्थ एवं अहंकार की पूर्ति में लग जाते हैं। इस समय जगत में सशस्त्र संघर्ष ही एक प्रमुख एवं दीर्घ कारण नहीं, जो चिंता का विषय है, बल्कि जलवायु की प्रतिकूलता सबसे बड़ा चिंतनशील विषय है।

आप का नजरीया

अपने तेवरों के मनकोटिया

कांगड़ा से एक दहाड़ का खामोश होना, अपने पीछे खासी रिक्तता छोड़ गया है। पूर्व मंत्री एवं शाहपुर विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक रहे मेजर विजय सिंह मनकोटिया का निधन सियासत की एक दिलेर पारी लिख कर, साबित कर गया कि ये तेवर बार-बार याद किए जाएंगे। भले ही राजनीति का इतिहास मनकोटिया के साथ इंसाफ नहीं कर सका, लेकिन वह सियासी इतिहास को निरंतर लिखते रहे। उन्होंने राजनीति की वसीयत को ही नहीं बदला, बल्कि अपने अल्फाज से इसे नए अर्थ भी दिए। मनकोटिया की शख्सियत के पैमाने केवल शाहपुर तक नहीं रहे, बल्कि वह कांगड़ा के नेताओं का वजन बताते रहे। हम इसे मनकोटिया बनाम वीरभद्र सिंह देखेंगे तो दो जोरदार व्यक्तित्वों में टकराव का गणित दिखाई देगा और जहां राजा का दरबार ही सरकार बनता रहा, लेकिन दिवंगत नेता ने उनकी कलम से कांगड़ा का शृंगार करने का दबाव जरूर बढ़ा दिया। हिमाचल की राजनीति में डा. वाईएस परमार बनाम पंडित सालिग राम के बीच एक ओर कांगड़ा तो दूसरी ओर राजपूत बनाम ब्राह्मणवाद की जोरदार आजमाइश हुई, तो इसी किलेबंदी का आधार जब बदला, तो विपक्ष में शांता कुमार का चेहरा तसदीक हुआ। जाहिर है कांगड़ा की राजनीति में जो भी बदलाव या नारेबाजी हुई, उसके केंद्र में मनकोटिया का उभार अंगीकार हुआ। वह अपने दम के नेता और अपने मन के विधायक रहे। अंततः वीरभद्र सिंह ने भी कांगड़ा किले को दिल से जोड़ा तो इसलिए कि कहीं मनकोटिया का दबाव कम हो। बेशक वीरभद्र ने राजनीति की वास्तुकला को बदल कर मनकोटिया के सामने कई दीवारें बनाईं, लेकिन इस नेता का नायकत्व उसी के टकराव में बरकरार रहा। कांगड़ा में शीतकालीन प्रवास की शुरुआत से विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आगाज तक मनकोटिया फैक्टर ने भी काम किया है। कांगड़ा से यही अंतिम जांबाज नेता रहे, जिनके आगे अपनी ही सरकार की नीयत पर अंकुश लगा। कांग्रेस ने कांगड़ा से कई नेता पैदा किए, लेकिन मनकोटिया जैसा कोई नहीं मिला। यह दीगर है कि मनकोटिया अपनी सत्ता के एकमात्र विरोधी धड़े रहे, इसलिए अपने विजन की करामात नहीं दिखा पाए, फिर भी उनके व्यक्तित्व के साथ आर्मी की पृष्ठभूमि उन्हें एक्ससर्विस मैन लीग के मंच पर राष्ट्र निर्माण, राष्ट्र भक्ति और नैतिक ऊर्जा का स्रोत साबित करती रही। भले ही अब 'विकास पुरुष' के नारों के नीचे एक शौर्यगाथा सियासी मंच पर शुरू हुई है। कुछ इमारतों के नाम पर चस्पां हुए नेताओं की विरासत और मनकोटिया की विरासत में सीधा सा अंतर उनकी चारित्रिक ओज में दिखाई देता रहा है। मनकोटिया भले ही पार्टियां बनाते या बदलते रहे, लेकिन उनके खिलाफ न भ्रष्टाचार और न ही भतीजावाद के आक्षेप लगे। एक ऐसा नेता जो अपने तेवरों के लिए सदैव चर्चित रहा, उसके जाने से सियासत में ऐसे 'कद काठी' के व्यक्ति को सामने लाना मुश्किल होगा। पार्टी चाहे कोई भी हो, लेकिन कांगड़ा से मनकोटिया सरीखी आवाज का मिलना कठिन है। एक विरासत का खोना क्या होता है, यह मनकोटिया के जाने के बाद भी पूछा जाएगा। राजनीति में मनकोटिया जैसे लोगों का होना भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी जरूरत है। कहीं न कहीं अपनी मिसाल के खुद ही संवाहक रखे मनकोटिया अपने व्यक्तित्व की छाप छोड़ कर जा रहे हैं, ताकि कल कोई उनका अनुसरण करके सियासत का शुद्धिकरण कर सके।

हम इसे मनकोटिया बनाम वीरभद्र सिंह देखेंगे तो दो जोरदार व्यक्तित्वों में टकराव का गणित दिखाई देगा और जहां राजा का दरबार ही सरकार बनता रहा, लेकिन दिवंगत नेता ने उनकी कलम से कांगड़ा का शृंगार करने का दबाव जरूर बढ़ा दिया। हिमाचल की राजनीति में डा. वाईएस परमार बनाम पंडित सालिग राम के बीच एक ओर कांगड़ा तो दूसरी ओर राजपूत बनाम ब्राह्मणवाद की जोरदार आजमाइश हुई, तो इसी किलेबंदी का आधार जब बदला, तो विपक्ष में शांता कुमार का चेहरा तसदीक हुआ। जाहिर है कांगड़ा की राजनीति में जो भी बदलाव या नारेबाजी हुई, उसके केंद्र में मनकोटिया का उभार अंगीकार हुआ। वह अपने दम के नेता और अपने मन के विधायक रहे। अंतत: वीरभद्र सिंह ने भी कांगड़ा किले को दिल से जोड़ा तो इसलिए कि कहीं मनकोटिया का दबाव कम हो। बेशक वीरभद्र ने राजनीति की वास्तुकला को बदल कर मनकोटिया के सामने कई दीवारें बनाईं, लेकिन इस नेता का नायकत्व उसी के टकराव में बरकरार रहा। कांगड़ा में शीतकालीन प्रवास की शुरुआत से विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आगाज तक मनकोटिया फैक्टर ने भी काम किया है। कांगड़ा से यही अंतिम जांबाज नेता रहे, जिनके आगे अपनी ही सरकार की नीयत पर अंकुश लगा। कांग्रेस ने कांगड़ा से कई नेता पैदा किए, लेकिन मनकोटिया जैसा कोई नहीं मिला। यह दीगर है कि मनकोटिया अपनी सत्ता के एकमात्र विरोधी धड़े रहे, इसलिए अपने विजन की करामात नहीं दिखा पाए, फिर भी उनके व्यक्तित्व के साथ आर्मी की पृष्ठभूमि उन्हें एक्ससर्विस मैन लीग के मंच पर राष्ट्र निर्माण, राष्ट्र भक्ति और नैतिक ऊर्जा का स्रोत साबित करती रही। भले ही अब 'विकास पुरुष' के नारों के नीचे एक शौर्यगाथा सियासी मंच पर शुरू हुई है।

कुछ अलग

मैं धन्य हुआ...

कल मेरे दादा श्री का श्राद्ध था, तो तय था उनके दोष से बचने के लिए पंडित से पहले कौवा चाहिए था। सो अपने शहर के पितृपक्ष विशेष कौवा चौक पर जा पहुंचा, अपने पितर को सादर लाने। जब वहां पहुंचा तो कौवों का ठेकेदार एक मंच पर खड़ा था। उसके इधर उधर कौवे ही कौवे। अपने कौवा होने पर इतराते, गर्वाते। अपने में पितर दर्शन कराने हेतु अपने को भरमाते। सामने खाली रेहड़ी की सड़ी छत पर चढ़ कौवों का ठेकेदार कौवों के पितर होकर जाने से पहले उनको जरूरी हिदायत दे रहा था, 'हे पितरों से डरने वाले समाज के इन दिनों होने वाले आदरणीय पितर कौवो। यह पक्ष हमारा है। ऐसे में मैं तुम्हारी सेफ्टी के लिए तुम्हें सचेत करता हूं कि जिस घर में मैं तुम्हें पितर बनने को डेप्यूट कर रहा हूं, वहां खाने पर कम, दक्षिणा पर अधिक ध्यान देना। याद रहे! हमारी संख्या कम है, और इनके पितर अधिक। ये साल भर अपने पितरों को प्रसन्न करने के बदले एक दिन में ही उन्हें साल भर का प्रसन्न करने की कोशिश करते रहे हैं।

दृष्टि कोण

सूचनाओं की सुनामी में सिकुड़ती समझ

सुबह आंख खुलते ही मोबाइल सामने होता है। रात में क्या हुआ, देश में क्या चल रहा है, दुनिया में किसने क्या कहा, सब कुछ चंद पलों में पता चल जाता है। फिर भी दिन चढ़ने के साथ यह भरोसा नहीं बढ़ता कि हमें दुनिया पहले से ज्यादा समझ में आ रही है। उलटे, कई बार लगता है कि खबरें बढ़ रही हैं और समझ सिकुड़ रही है। कभी खबर के लिए अखबार का इंतजार होता था। अब खबरें इंतजार नहीं करतीं। वे लगातार हमारे दरवाजे पर दस्तक देती रहती हैं। एक नोटिफिकेशन हटाइए तो दूसरा सामने है। एक वीडियो खत्म नहीं होता कि दूसरा शुरू हो जाता है। कुछ देर बाद याद भी नहीं रहता कि सुबह पढ़ी गई दस खबरों में से कौन-सी वास्तव में महत्वपूर्ण थी। यहीं सूचना और समझ का फर्क सामने आता है। सूचना बताती है कि क्या हुआ, जबकि समझ यह जानने की कोशिश करती है कि क्यों हुआ, उसका असर किस पर पड़ेगा और उसके पीछे की तस्वीर क्या है। हमारे पास सूचना ज्यादा है, लेकिन समझने के लिए समय और धैर्य कम है। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और पेचीदा बना दिया है। किसी घटना की पूरी जानकारी सामने आने से पहले ही उसका वीडियो वायरल हो जाता है। कुछ शब्दों का शीर्षक लोगों की राय बना देता है। देखते ही देखते एक धारणा सच जैसी लगने लगती है। बाद में अगर कोई दूसरा तथ्य सामने आए तो उसे स्वीकार करना आसान नहीं होता, क्योंकि राय पहले बन चुकी होती है। वायरल होना सत्य की गारंटी नहीं है। लाखों लोगों तक पहुंची कोई पोस्ट भी गलत हो सकती है और किसी जरूरी तथ्य को शायद ही कोई साझा करे। डिजिटल दुनिया की विडंबना यही है कि जो बात सबसे ज्यादा दिखाई देती है, जरूरी नहीं कि वही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो। इसका एक कारण हमारी अपनी आदत भी है। हम वही देखना पसंद करते हैं जिससे सहमत होना आसान हो। सोशल मीडिया भी हमारी पसंद पहचानकर उसी तरह की सामग्री बार-बार सामने लाता है। धीरे-धीरे एक ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें अपनी राय की पुष्टि तो खूब मिलती है, लेकिन उससे अलग सोचने वाले तथ्य कम दिखाई देते हैं। फिर हमें लगता है कि दुनिया भी वही सोच रही है जो हम सोच रहे हैं। यह बात महज सोशल मीडिया की नहीं रह जाती। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन असहमति के लिए साझा तथ्य भी जरूरी हैं। यदि हर व्यक्ति अपनी-अपनी सूचनाओं की दुनिया में बंद हो जाए तो बहस बहुत होगी, संवाद कम। अपनी बात कहने की आजादी जितनी जरूरी है, दूसरे की बात सुनने का धैर्य भी उतना ही जरूरी है। ऐसे समय में पत्रकारिता की जिम्मेदारी पहले से बढ़ जाती है। जब हर व्यक्ति के हाथ में कैमरा है और कोई भी घटना कुछ ही क्षण में दुनिया के सामने पहुंच सकती है, तब असली काम सिर्फ सूचना देना नहीं, बल्कि उसकी पड़ताल करना, तथ्य अलग करना और घटना को संदर्भ में रखना है। हर वायरल विषय महत्वपूर्ण नहीं होता। इसलिए पत्रकारिता को लोकप्रियता के पीछे भागने के बजाय सार्वजनिक महत्व को देखना होगा। तेजी और जल्दबाजी में भी फर्क है। गलत सूचना कुछ मिनटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकती है, लेकिन बाद में दी गई सफाई शायद उतनी दूर न जाए। पत्रकारिता का भरोसा बनाने में वर्षों लगते हैं, उसे कमजोर करने के लिए एक गलत खबर भी काफी हो सकती है। मुश्किल यह भी है कि लोग बिना पूरी बात जाने पक्ष चुन लेते हैं और सार्वजनिक रूप से व्यक्त की गई अपनी बात से पीछे हटना उन्हें अपनी ही नजर में कठिन लगता है। यहीं पत्रकारिता को भीड़ से थोड़ा अलग खड़ा होना पड़ता है। पाठक को वही बताना आसान है जो वह सुनना चाहता है, लेकिन मुश्किल यह है कि उसे वह जानकारी दी जाए जिसे जानना उसके लिए जरूरी है।

पंजाब में आज से बदलेगा स्कूलों का समय, सुबह 8-30 बजे से शुरू होंगी कक्षाएं

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने मौसम में बदलाव और शैक्षणिक सत्र की समयसारणी को देखते हुए राज्य के सरकारी स्कूलों के समय में बदलाव किया है। नए आदेश एक अक्तूबर से लागू होंगे और राज्य के सभी प्राथमिक, मिडिल, हाई तथा सीनियर सेकेंडरी स्कूलों पर प्रभावी रहेंगे। नए समय के अनुसार, एक अक्तूबर से प्राथमिक स्कूल सुबह 8-30 बजे खुलेंगे और दोपहर 2-30 बजे छुट्टी होगी। वहीं, मिडिल से लेकर सीनियर सेकेंडरी स्तर के स्कूल सुबह 8-30 बजे से दोपहर 2-50 बजे तक संचालित होंगे। यह समय 31 अक्तूबर 2026 तक लागू रहेगा। राज्य के 19 हजार से अधिक सरकारी स्कूल इस बदलाव के दायरे में आएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों को नए समय का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि बदले हुए समय के संबंध में विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्कूल प्रशासन को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। पंजाब में मौसम और शैक्षणिक सत्र के अनुसार, स्कूलों के समय में वर्ष के दौरान बदलाव किया जाता है। एक अप्रैल से 30 सितंबर तक स्कूलों का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहता है। इसके बाद एक अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक प्राथमिक स्कूल सुबह 8-30 बजे से दोपहर 2-30 बजे तक और मिडिल से सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुबह 8-30 बजे से दोपहर 2-50 बजे तक संचालित होते हैं। एक नवंबर से 28 फरवरी तक प्राथमिक स्कूलों का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक तथा मिडिल से सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 3-20 बजे तक निर्धारित रहता है।

पंजाब में नशे के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी भाजपा : अमित शाह

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को जालंधर में *नशा मुक्त पंजाब यात्रा* के समापन अवसर पर आयोजित जनसभा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव नशे के मुद्दे पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है तो 31 दिसंबर 2029 तक राज्य को पूरी तरह नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। अमित शाह ने आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर पंजाब में नशे की समस्या को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग नशे के कारोबार को रोक नहीं सकते, वे पंजाब को नशामुक्त नहीं कर सकते। केंद्रीय गृहमंत्री ने दिल्ली के कथित शराब घोटाले का उल्लेख करते हुए भी आआपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नशे

के कारोबार को बढ़ावा देने वालों से पंजाब को नशामुक्त करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। गृहमंत्री ने पंजाब के जवानों और किसानों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के सैनिक देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और किसानों ने देश के अन्न भंडार को भरने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब सरकार ने किसानों को 26 फसलों पर एमएसपी देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर किसानों से जुड़े मुद्दों का स्थायी समाधान करने की दिशा में काम किया जाएगा। अमित शाह ने युवाओं में नशे की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि नशे के कारण किसी होनहार युवा की असमय मौत बेहद दुखद है। उन्होंने युवाओं से भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें नशे के दलदल से निकालने के साथ रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में पंजाब सरकार ने एंटी-ड्रग्स से संबंधित एक भी बैठक नहीं की। जालंधर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का कार्यालय खोलने के केंद्र के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने ठुकरा दिया। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर इसे प्राथमिकता दी जाएगी। गृहमंत्री ने पंजाब सरकार पर कथित विज्ञापन आवंटन, भूमि और पोषण आहार से जुड़े मामलों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से विज्ञापन पर खर्च, 25 लाख रोजगार देने के वादे और राज्य में 16 मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के दावे को लेकर सवाल किए।

ऑक्टेव-2026 में आठ राज्यों के 14 समूह दिखाएंगे 15 लोकनृत्य शैलियों का संगम

जयपुर (हिंस)। पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, लोकनृत्य और पारंपरिक परिधानों से जयपुर का राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर गुरुवार शाम गुलजार होगा। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के सहयोग से आयोजित ऑक्टेव-2026 का शुभारंभ शाम 7 बजे होगा। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे होंगे, जबकि केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अध्यक्षता करेंगे। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक डॉ. अश्विन महेश दलवी और आरआईसी निदेशक निहाल चंद गोयल भी मौजूद रहेंगे। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक डॉ दलवी ने बताया कि उद्घाटन समारोह के बाद पूर्वोत्तर के आठों राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा मंच पर नजर आएगी। भानुश्री दास के निर्देशन में होने वाले इस शो में युवतियां अलग-अलग पारंपरिक परिधान पहनकर प्रस्तुति देंगी। आयोजकों के अनुसार इन परिधानों की खासियत यह है कि इनमें हस्तनिर्मित वस्त्र और पारंपरिक शिल्प की झलक देखने को मिलेगी। शो के जरिए दर्शकों को पूर्वोत्तर की संस्कृति और परंपराओं को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। समारोह की दूसरी प्रस्तुति में पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्यों के 14 समूह 15 लोकनृत्य शैलियों की अलग-अलग और संयुक्त प्रस्तुति देंगे। नृत्य के जरिए अध्यात्म, रोमांच, रास और परंपराओं की विविधता को मंच पर साकार किया जाएगा। प्रस्तुति के दौरान कहीं भक्ति का भाव नजर आएगा तो कहीं लोक संस्कृति की जीवंतता और जोश दर्शकों को आकर्षित करेगा। कार्यक्रम का समापन ग्रैंड फिनाले से होगा, जिसमें सभी समूह संयुक्त रूप से नृत्य प्रस्तुति देंगे। आयोजकों के अनुसार ऑक्टेव-2026 के माध्यम से जयपुरवासियों को पूर्वोत्तर भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

अमृतसर में नशा और हथियार तस्करी के तीन नेटवर्क का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने नशा तस्करी और अवैध हथियारों की सप्लाई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 13 पिस्तौल, 3.267 किलोग्राम हेरोइन और 22 कारतूस बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने अलग-अलग मामलों में यह कार्रवाई की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपित अवैध हथियारों और मादक पदार्थों की सप्लाई से जुड़े हुए थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपियों को हथियार और हेरोइन कहां से उपलब्ध कराई जाती थी।

कांग्रेस की गुटबाजी में विश्वेंद्र सिंह जैसे कद्दावर नेता की हो रही अनदेखी : मंत्री जवाहर सिंह बेढम

जयपुर (हिंस)। राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कांग्रेस में चल रही कथित अंदरूनी खींचतान को लेकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी और अंतर्द्वंद चरम पर पहुंच गया है। पार्टी के प्रदर्शनों में भी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच एक-दूसरे के प्रति आक्रोश दिखाई दे रहा है। बेढ़म ने कहा कि कांग्रेस में स्थिति ऐसी हो गई है कि कभी भी बड़ी घटना सामने आ सकती है। बेढ़म ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनमें कांग्रेस की हताशा साफ दिखाई देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के बड़े नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं और कांग्रेस का ध्यान जनता के मुद्दों के बजाय आपसी संघर्ष पर केंद्रित है। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि कांग्रेस में केवल आपसी वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के नेता अपने पद बचाए रखने के लिए प्रयास कर रहे हैं और जनता की समस्याओं से उनका ध्यान हट गया है। हालांकि ये सभी आकलन बेढ़म के राजनीतिक आरोप हैं। बेढ़म ने पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता विश्वेंद्र सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि वे राजस्थान के बड़े नेताओं में शामिल रहे हैं। उनकी राजनीतिक हैसियत और कद को दरकिनार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर ऐसे कद्दावर नेता की अनदेखी करना उचित नहीं है। बेढ़म ने कहा कि कांग्रेस की मति मारी गई है, जो विश्वेंद्र सिंह जैसे नेता की बात नहीं सुन रही है। हालिया निकाय चुनावों के बाद विश्वेंद्र सिंह की ओर से भी कांग्रेस में टिकट वितरण और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी को लेकर सवाल उठाए जाने की खबरें सामने आई हैं। कांग्रेस के *वोट चोरी* के आरोपों पर बेढ़म ने कहा कि चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ईवीएम और वोट चोरी को लेकर आरोप लगाती है।

हरियाणा में ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में 5500 नर्सिंग ऑफिसर्स ने लगाए काले बिल्ले

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग में मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू करने के विरोध में प्रदेश भर के नर्सिंग कैडर ने बुधवार से आंदोलन शुरू कर दिया। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में आंदोलन के तहत नर्सिंग ऑफिसर्स ने काले बिल्ले लगाकर ड्यूटी शुरू की है। बता दें कि, हरियाणा में जिला अस्पतालों के साथ पीएचसी, सीएचसी समेत अन्य सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों को मिलाकर 70 स्वास्थ्य संस्थान है। इनमें 5500 महिला, पुरुष नर्सिंग ऑफिसर्स हैं, जिनमें 95 प्रतिशत महिलाएं है। सभी नर्सिंग ऑफिसर्स ने नर्सिंग ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा के बैनर तले यह विरोध शुरू किया। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने यह पॉलिसी वापस नहीं ली तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। एसोसिएशन द्वारा जारी

कार्यक्रम के अनुसार, आंदोलन के पहले चरण में 30 सितंबर और एक अक्तूबर को प्रदेश के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी में नर्सिंग स्टाफ काले बिल्ले लगाकर काम करेगा। इसके बाद दूसरे चरण में आगामी 5, 6 और 7 अक्तूबर को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल की जाएगी। एसोसिएशन की अध्यक्ष विनीता बांगड़ के अनुसार, पूरे भारत में किसी भी राज्य में नर्सिंग कैडर पर ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू नहीं है। शिक्षा विभाग और अन्य विभागों में महिलाएं केवल दिन में ड्यूटी करती हैं, जबकि नर्सिंग स्टाफ 24 घंटे, तीन शिफ्ट- मॉर्निंग, इवनिंग और नाइट में ड्यूटी करता है। नर्सिंग ही एकमात्र ऐसा कैडर है जो अस्पताल में 24 घंटे मौजूद रहकर मरीजों की सेवा करते है। स्वास्थ्य विभाग के नर्सिंग कैडर में लगभग 95 प्रतिशत महिलाएं हैं। इन पर बुजुर्ग माता-पिता, बच्चों की परवरिश, शिक्षा और घर-परिवार की पूरी जिम्मेदारी है। अगर उन्हें परिवार से सैकड़ों किलोमीटर दूर ट्रांसफर किया जाएगा तो वे मानसिक तनाव में रहेंगी, जिसका सीधा असर उनकी ड्यूटी और मरीजों की देखभाल पर पड़ेगा। एसोसिएशन ने यह भी तर्क दिया कि हरियाणा के कई स्वास्थ्य संस्थान गांवों और कस्बों से बाहर सुनसान इलाकों में बने हैं। रात की शिफ्ट में वहां पहुंचना महिला स्टाफ के लिए बेहद कठिन और असुरक्षित है। सरकार को महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखना चाहिए, लेकिन यह पॉलिसी उनकी सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। नर्सिंग ऑफिसर्स ने कहा कि सरकार की सभी स्वास्थ्य योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में नर्सिंग स्टाफ की सबसे अहम भूमिका होती है। कोरोना काल में भी नर्सिंग स्टाफ ने अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा की थी।

सपा के घोषणापत्र में किसानों की खुशहाली के लिए होंगे फैसलें, सस्ती बिजली और समय पर होगा भुगतान : अखिलेश

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को किसानों की पैदावार बढ़ाने, उपज का उचित मूल्य दिलाने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार बनने पर किसान कैसे खुशहाल हो, पार्टी उस दिशा में काम करेगी। अखिलेश ने बिजली और राज्यसभा चुनाव के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर भी निशाना साधा। सपा मुख्यालय में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि किसानों का भुगतान 24 से 48 घंटे में सुनिश्चित किया जाएगा। पार्टी के घोषणापत्र में किसानों के पक्ष में कई फैसले होंगे। उन्होंने कहा कि जो सरकार दस साल में बिजली का कारखाना नहीं लगा सकी, वह किसानों को सस्ती बिजली कैसे उपलब्ध करा सकती है। किसानों के संघर्ष का जिक्र करते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि किसानों की लड़ाई सबसे पहले चौधरी चरण सिंह ने लड़ी। अब समाजवादी पार्टी उनकी लड़ाई को आगे बढ़ा रही है। सपा अध्यक्ष ने पार्टी के झंडे के रंगों को भी किसान और क्रांति से जोड़ते हुए कहा कि हरा रंग हरियाली की क्रांति और लाल रंग दूसरी क्रांति का प्रतीक है। अखिलेश ने कहा कि किसानों की पैदावार बढ़े और इनको सही मूल्य मिले। सरकार बनने पर हमारा किसान कैसे खुशहाल हो, उस दिशा में हम लोग काम करेंगे। प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि *एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी चढ़ावा चोरी से*

नहीं बनेगी। राज्यसभा चुनाव में दो प्रत्याशियों के नामांकन करने और चुनाव से जुड़े सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि लोकतंत्र में जिसकी संख्या अधिक हो, उसे अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बार भाजपा की भूमिका के कारण सपा के तीन सांसद राज्यसभा नहीं पहुंच सके। भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उसे बड़ा कार्यालय बनाने के बजाय चुनाव आयोग में ही एक फ्लोर ले लेना चाहिए था। अखिलेश ने कहा कि सपा ने नई पीढ़ी के व्यक्ति को राज्यसभा भेजने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत में कई दलों का प्रभाव है, इसलिए पार्टी ने उद्योग जगत से जुड़ाव बढ़ाने और कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए भी राज्यसभा सदस्य बनाने का फैसला किया है।

एआई से पहले ही पता चलेगा ट्रैफिक जाम और सड़क हादसे का जोखिम, आईआईटी जोधपुर में शोध

जोधपुर (हिंस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर की परिवहन प्रणाली एवं यातायात मॉडलिंग प्रयोगशाला में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आंकड़ा विश्लेषण की मदद से भारतीय यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में शोध किया जा रहा है। शोध का उद्देश्य सड़क पर जाम दिखाई देने से पहले ही उसके बनने की संभावना का अनुमान लगाने और दुर्घटना से पहले उत्पन्न होने वाली जोखिमपूर्ण परिस्थितियों की पहचान करना है। सिविल एवं आधारभूत संरचना अभियांत्रिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर और प्रयोगशाला प्रमुख डॉ. रंजू मोहन के नेतृत्व में चल रहे इस शोध में परिवहन अभियांत्रिकी, गणित, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, व्यवहार विज्ञान और आंकड़ा विश्लेषण को एक साथ जोड़ा गया है। शोधकर्ता सड़क, वाहन, यातायात, तकनीक और मानव व्यवहार के बीच होने वाली अंतर्क्रियाओं का अध्ययन कर रहे हैं। इसके लिए गणितीय और संगणकीय मॉडल विकसित किए जा रहे हैं, ताकि यह समझा जा सके कि किन परिस्थितियों में यातायात जाम बनता है और क्या जाम बनने से पहले उसका अनुमान लगाया जा सकता है। भारतीय सड़कों पर कार, बस, ट्रक और दोपहिया जैसे विभिन्न प्रकार के वाहन एक साथ चलते हैं। कई स्थानों पर लेन अनुशासन और यातायात व्यवहार भी अलग-अलग होता है। ऐसे में यातायात के बदलते स्वरूप का अध्ययन चुनौतीपूर्ण है। प्रयोगशाला के शोध से भविष्य में बुद्धिमान परिवहन प्रणालियों, डिजिटल प्रतिरूप और बेहतर यातायात प्रबंधन रणनीतियों के विकास के लिए वैज्ञानिक आधार तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। डॉ. रंजू मोहन के अनुसार, परिवहन व्यवस्था केवल सड़क और वाहनों तक सीमित नहीं है। इसमें लोगों का व्यवहार, आधारभूत ढांचा, तकनीक और आंकड़े भी महत्वपूर्ण

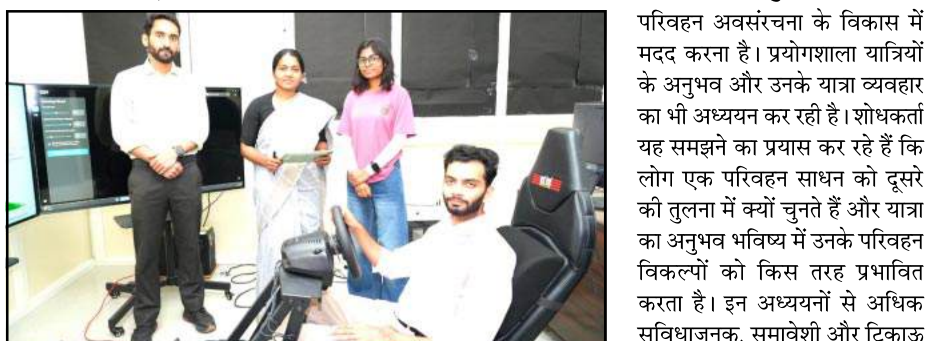

भूमिका निभाते हैं। शोध का लक्ष्य इन सभी के बीच होने वाली अंतर्क्रियाओं को वैज्ञानिक तरीके से समझना और ऐसी परिवहन व्यवस्था विकसित करने में योगदान देना है, जो सुरक्षित, कुशल और लोगों की जरूरतों के अनुरूप हो। प्रयोगशाला में आधुनिक वाहन चालन अनुकारक के जरिए नियंत्रित वातावरण में भारतीय सड़कों और विभिन्न यातायात परिस्थितियों का अनुभव तैयार किया जा रहा है। इसके माध्यम से यह अध्ययन किया जा रहा है कि अलग-अलग सड़क, यातायात और पर्यावरणीय परिस्थितियों में चालक किस तरह प्रतिक्रिया करते हैं। इससे वास्तविक सड़क पर किसी व्यक्ति को जोखिम में डाले बिना चालक के व्यवहार का अध्ययन संभव हो रहा है। जापान के सहयोग से चल रही जेएसटी लोटस परियोजना के तहत सड़क की भौतिक परिस्थितियों और चालक के व्यवहार के बीच संबंधों का भी अध्ययन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भविष्य में अधिक सुरक्षित और आरामदायक सड़क तथा परिवहन अवसंरचना के विकास में मदद करना है। प्रयोगशाला यात्रियों के अनुभव और उनके यात्रा व्यवहार का भी अध्ययन कर रही है। शोधकर्ता यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि लोग एक परिवहन साधन को दूसरे की तुलना में क्यों चुनते हैं और यात्रा का अनुभव भविष्य में उनके परिवहन विकल्पों को किस तरह प्रभावित करता है। इन अध्ययनों से अधिक सुविधाजनक, समावेशी और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था विकसित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। भारतीय यातायात की वास्तविक परिस्थितियों को समझने के लिए प्रयोगशाला आईडीएस जोधा नामक व्यापक परिवहन आंकड़ा समूह विकसित कर रही है। इसमें अलग-अलग यातायात परिस्थितियों से बड़े स्तर पर क्षेत्रीय आंकड़े एकत्र किए जा रहे हैं। एआई की तकनीकों, विशेषकर ग्राफ न्यूरल नेटवर्क, के माध्यम से सड़क पर मौजूद विभिन्न उपयोगकर्ताओं के बीच होने वाली जटिल अंतर्क्रियाओं का विश्लेषण किया जा रहा है।

श्रीराम मंदिर के लिए गोरक्षपीठ के पूज्य संतों ने जीवन समर्पित किया : मुख्यमंत्री

विसंगति को अपने अंदर समाहित कर लोक कल्याण का आदर्श स्थापित करना ही शिवत्व : योगी

गोरखपुर (हिंस)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीरामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए गोरक्षपीठ के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि अयोध्या में रामलला के प्रकटीकरण के समय महंत दिग्विजयनाथ जी उपस्थित रहे तो गुलामी का ढांचा हटाने के लिए श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का नेतृत्व महंत अवेद्यनाथ जी ने किया। गोरक्षपीठ के दोनों पूज्य संतों ने संत समाज को एकजुट करने के साथ ही श्रीराम मंदिर, समाज व राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। समय, समाज और राष्ट्र के अनुकूल चलना ही महापुरुषों का गुण होता है। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन बुधवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को अपने पूज्य गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन दोनों महंतश्री की पुण्यस्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि जीवन में सिद्धि का सबसे बड़ा मंत्र है, स्थिरता। स्थिरता

का भाव हमें आगे बढ़ाने का माध्यम होता है। जब हम दोनों पूज्य संतों ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन चरित्र को पढ़ते हैं तो हम सबको ऐसी ही प्रेरणा मिलती है। भगवान शिव और शिवभक्ति के महात्म्य को समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जिसका गुणगान करते हैं, हमें उसके अनुरूप बनने का प्रयास भी करना होता है। यदि हम शिवभक्त हैं तो भगवान शंकर की तरह सम-विषम परिस्थितियों में एक समान व निश्छल भी रहना चाहिए। हमें विसंगतियों के बीच लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना है। भगवान शिव ने विषम परिस्थितियों में कंठ में विष धारण किया और इसीलिए वह नीलकंठ कहे जाते हैं। समाज की विसंगति को अपने अंदर समाहित कर समाज और लोक कल्याण के लिए आदर्श स्थापित करना ही शिवत्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी के जीवन संकल्प गुरु परंपरा में महंत दिग्विजयनाथ जी के आदर्शों व मूल्यों का विस्तार हैं। समाज में जब विसंगतियां आती हैं तो उसका परिमार्जन करने का सामर्थ्य हिंदू समाज रखता है। यही भाव हमें ब्रह्मलीन महंतद्वय के जीवन में भी देखने को मिलता है। महंत दिग्विजयनाथ जी हिंदू समाज की ताकत को प्रबल वेग से बढ़ाने के पक्षधर थे तो महंत अवेद्यनाथ जी ने इसके लिए हिंदू समाज को एकजुट करने का अहर्निश कार्य किया। उनके द्वारा प्रारंभ किया गया सहभोज अभियान हिंदू समाज की बिखरी ताकत को एकसूत्र में पिरोने के लिए था। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में शिक्षा गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए, यह महंत दिग्विजयनाथ जी का विचार था। महंत अवेद्यनाथ जी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ इसके विस्तार और विस्तार से स्वावलंबन से जोड़ने का भी कार्य किया। उन्होंने एजुकेशन को स्किलिंग के साथ जोड़ने का भी काम किया। शिक्षा और कौशल विकास के लिए उन्होंने अनेक संस्थाओं की स्थापना की। शिक्षा के संग खेल को प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने स्कालरशिप की भी व्यवस्था की। छात्रों को रहने की बेहतर व्यवस्था देने के लिए महंत जी ने प्रताप आश्रम और अन्य छात्रावासों की व्यवस्था की। श्रद्धांजलि समारोह में मस्तनाथ पीठ अस्थल बोहर (रोहतक) के महंत एवं राजस्थान विधानसभा के विधायक महंत बालकनाथ ने महंतद्वय को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि दोनों पूज्य संतों ने गोरक्षपीठ का नेतृत्व करते हुए सनातन संस्कृति की पहचान को मजबूत किया। गोरक्षपीठ सभी लोगों को राष्ट्र के प्रति कर्तव्य बोध कराती है। इस पीठ के महंत योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की ख्याति देश-दुनिया में फैल रही है। योगी जी, बिना भेदभाव जन-कल्याण व विकास के लिए दिन-रात कार्य करते हैं। इस अवसर पर श्रीरामजानकी मंदिर वाराणसी से पधारे जगद्गुरू रामानंदाचार्य डॉ. रामकमलाचार्य जी महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज दिव्यदर्शी व दूरदर्शी संत थे। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण में उनकी भूमिका युगों-युगों तक स्मरित की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा

रिजल्ट में देरी व बदहाल व्यवस्था पर परीक्षा विभाग में बवाल, एबीवीपी ने किया परीक्षा नियंत्रक का घेराव

भागलपुर (हिंस)। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) के प्रशासनिक भवन में बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर परीक्षा नियंत्रक का घेराव किया और प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने परीक्षा विभाग और प्रशासनिक भवन परिसर में विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलन कर रहे छात्रों का आरोप है कि अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों के लगभग तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों का रिजल्ट पिछले कई महीनों से लंबित है, जिससे उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। कार्यकर्ताओं ने मुख्य रूप से पीबीएस कॉलेज बांका के 672 छात्रों के विषय परिवर्तन की समस्या तथा स्नातक और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लंबित परिणामों को जल्द से जल्द जारी करने की मांग

रखी। छात्रों ने कहा कि परीक्षा विभाग की लापरवाही के कारण सत्र लगातार पिछड़ रहा है, जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। घंटों चले हंगामे और घेराव के बाद विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने परीक्षा नियंत्रक को अपनी मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी के छात्र नेताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन को चेतावनी देते हुए 2 अक्तूबर तक सभी लंबित मामलों और रिजल्ट पर उचित निर्णय लेने का अल्टीमेटम दिया है। छात्रों ने साफ कहा कि यदि तय समय सीमा के भीतर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो विश्वविद्यालय में तालाबंदी कर इससे भी बड़ा और उग्र आंदोलन किया जाएगा। हंगामे की सूचना मिलने पर विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मी और पुलिस बल भी मौके पर पहुंचे। काफी देर तक चली तीखी बहस के बाद परीक्षा नियंत्रक ने छात्रों को आश्वस्त किया कि तकनीकी खामियों को दूर कर लंबित परीक्षा परिणामों और छात्रों की अन्य समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द किया जाएगा। अधिकारी के ठोस आश्वासन के बाद छात्र शांत हुए और घेराव समाप्त किया।

गोयल ने अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

वाशिंगटन

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने विस्कान्सिन के मिल्वौकी में जी-20 व्यापार बैठक से इतर अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में निवेश और उन्नत विनिर्माण में सहयोग के लिए आमंत्रित किया।

गोयल ने एक्स पर जारी पोस्ट में लिखा कि नेशनल एसोसिएशन आफ मैन्युफैक्चरर्स (एनएएम) की बैठक में उन्होंने भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों में मजबूत गति के साथ भारत के बढ़ते औद्योगिक आधार और कुशल कार्यबल को रेखांकित किया।

उन्होंने विस्कान्सिन के मिल्वाकी में जी-20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर एनएएम के द्वारा आयोजित कारोबारी गोलमेज बैठक को संबोधित किया, जिसमें पूरे अमेरिका से छोटे और बड़े मैन्युफैक्चरर्स के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। गोयल देर शाम अमेरिका के शिकागो पहुंचे।

वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री अपने संबोधन में भारत और अमेरिका के मजबूत आर्थिक संबंधों के साथ-साथ भारत के बढ़ते औद्योगिक आधार और कुशल कार्यबल यानी कर्मचारियों की संख्या पर जोर दिया। उन्होंने अमेरिकी निर्माताओं को भारत में अपनी मौजूदगी को बढ़ाने, भारतीय एमएसएमई के साथ साझेदारी करने और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में मिलकर निवेश करने के मौकों को तलाशने के लिए आमंत्रित किया, ताकि एक मजबूत सप्लाई चेन बनाई जा सके और दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए वैल्यू पैदा की जा सके।

अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कारोबारी गोलमेज बैठक और एनएएम द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में जी20 व्यापार मंत्रियों के साथ हिस्सा लिया। जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक में व्यापार से जुड़े कई मुद्दों पर आज चर्चा होगी। इस बैठक में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बंधुआ मजदूरी को खत्म करने से लेकर संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता और अतिरिक्त उत्पादन से निपटना शामिल है। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा आईईईपीए के तहत लगाए गए शुल्कों को रद्द किए जाने के बाद अमेरिका इन दो शुल्क संबंधी उपायों का इस्तेमाल कर रहा है।

जी20 देशों का समूह एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जिसमें दुनिया की प्रमुख विकसित एवं उभरती अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक नीतियों पर चर्चा और समन्वय के लिए शामिल होती हैं। अमेरिका के पास 2026 में जी20 की अध्यक्षता है। इसके सदस्यों में आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि मिल्वाकी, अमेरिका का एक प्रमुख औद्योगिक और विनिर्माण केंद्र भी है। यहां खाद्य एवं पेय, मशीनरी विनिर्माण, ऊर्जा तथा जल प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों की कई बड़ी कंपनियों के मुख्यालय हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने भारत से रक्षा संबंध मजबूत किए, दुर्लभ दवाओं पर भी टैक्स हटाया, अमेरिकी रक्षा रणनीति में भारत को महत्वपूर्ण सहयोगी बताया गया

नई दिल्ली। एशिया में भारत की बढ़ती ताकत के मद्देनजर अमेरिका उसके साथ अपने रक्षा संबंधों को और गहरा कर रहा है। अमेरिकी रक्षा रणनीति पर सीनेट को सौंपी रिपोर्ट में भारत को अहम सहयोगी बताया गया है, वहीं दुर्लभ बीमारियों की दवाओं पर भी शून्य टैक्स घोषित किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रीय रक्षा रणनीति 2026 के अमल पर सीनेट समिति को सौंपी गई एक अद्यतन रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ जिम्मेदारियां बांटने की नीति पर काम कर रहा है और भारत के साथ साझेदारी इसी रणनीति का एक मुख्य हिस्सा है। हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच 10 साल के द्विपक्षीय रक्षा समझौते और समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने के लिए विशेष समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। गौरतलब है कि मूल रणनीति में भारत या क्वाड का कोई जिक्र नहीं था, लेकिन अब इस अद्यतन रिपोर्ट में भारत से मजबूत होते रिश्तों पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अतिरिक्त अमेरिका ने भारत समेत दुनिया के 20 देशों से आयातित कुछ विशेष दवाओं और उनके घटकों पर शून्य प्रतिशत टैक्स लगाने की घोषणा की है। ये दवाएं दुर्लभ बीमारियों के इलाज में उपयोग होती हैं।

एआई से बने विज्ञापनों पर एएससीआई सख्त, अब लेबल लगाना जरूरी, उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए पारदर्शिता पर जोर

नई दिल्ली। ब्रांड्स द्वारा विज्ञापनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल आफ इंडिया (एएससीआई) ने उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनका लक्ष्य ग्राहकों को भ्रमित होने से बचाना और विज्ञापनों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। ये नए नियम जारी होने की तारीख से तीन महीने बाद लागू होंगे। एएससीआई के अनुसार सिंथेटिक कंटेंट (एसजीसी) तब भ्रामक या नुकसानदेह हो सकता है, जब यह झूठी उम्मीदें जगाए, कमजोर वर्गों का अनुचित फायदा उठाए, या गलत और भ्रामक जानकारी पेश करे। परिषद ने कुछ विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, जिनमें गैर-कानूनी सामग्री, अधिकारों का उल्लंघन, भ्रामक दावे, सिंथेटिक फोटो-वीडियो के जरिए उत्पादों के परिणामों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना, नकली जगहों को असली बताना और बिना अनुमति के डीपफेक का इस्तेमाल शामिल है। एएससीआई की एक अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि केवल एआई का लेबल लगा देने से कोई भ्रामक विज्ञापन सही नहीं हो जाता, और विज्ञापनदाता की जिम्मेदारी होगी कि जानकारी सही और साफ हो। नए दिशानिर्देशों के तहत, एआई या सिंथेटिक कंटेंट के इस्तेमाल पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा जब यह ग्राहकों के निर्णयों को सीधे प्रभावित करे, वर्चुअल इन्फ्लुएंसर्स या ब्रांड एंबेसडर का उपयोग हो, या काल्पनिक घटनाओं व माहौल को दर्शाया जाए जो उत्पाद या सेवा की ग्राहक समझ को प्रभावित कर सकते हैं।

सुनील मित्तल भारती समूह की कमान अगली पीढ़ी को सौंपने की तैयारी में

मुंबई। भारती एयरटेल के संस्थापक सुनील मित्तल ने अपने 68वें वर्ष में भारती समूह के लिए अगली पीढ़ी को

कमान सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, हालांकि उन्होंने तत्काल संन्यास से इनकार किया है। मित्तल ने स्पष्ट किया है कि एयरटेल एक पेशेवर प्रबंधन वाला संस्थान बना रहेगा, जिसमें परिवार एंकर शेयरधारक की भूमिका में होगा। उनके जुड़वां बेटे श्रविन मित्तल और कविन मित्तल इस योजना के केंद्र में हैं। मित्तल ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका कारोबार पारिवारिक व्यवसाय नहीं है, बल्कि उनका परिवार व्यवसाय में है, जिसका अर्थ है कि उनके बच्चे अपने रास्ते चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। श्रविन मित्तल वर्तमान में एयरटेल अफ्रीका के वाइस चेयरमैन हैं और भारती ग्लोबल के निदेशक भी हैं, जो ब्रिटेन की अंतरिक्ष संचार कंपनी वनवेब में सबसे बड़ी शेयरधारक है। दूसरी ओर, टेक उद्यमी कविन मित्तल, जिन्होंने हाइक मैसेंजर की स्थापना की थी, डिजिटल मोर्चे पर एयरटेल को समृद्ध कर सकते हैं। अगली पीढ़ी भारती समूह के विविध उद्यमों- दूरसंचार बुनियादी ढांचा, उपग्रह संचार, डेटा केंद्र, वित्तीय सेवा और रियल एस्टेट के भविष्य के बारे में निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होगी। मित्तल का इरादा भारती टेलीकाम के जरिए प्रवर्तक स्वामित्व को मौजूदा 40.47 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत से अधिक करने का है।

रिटायरमेंट प्लानिंग में इक्विटी से कब और कैसे करें डी-रिस्किंग

नई दिल्ली

रिटायरमेंट की तैयारी केवल एक बड़ा फंड बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जमा पूंजी को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाने की रणनीति बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। एक्सपर्ट्स इस बात पर सहमत हैं कि रिटायरमेंट से पहले इक्विटी निवेश को धीरे-धीरे कम जोखिम वाले विकल्पों की ओर मोड़ना एक बेहतर रणनीति है। विशेषज्ञों के मुताबिक रिटायरमेंट के दिन अचानक इक्विटी से सारा पैसा निकालने के बजाय, पोर्टफोलियो को चरणबद्ध तरीके से डी-रिस्क करना चाहिए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि रिटायरमेंट से करीब 7 से 10 साल पहले इक्विटी से जोखिम कम करने की प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए।

इससे निवेशक को एक साथ बड़ा बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि, वह 100 माइनस एज जैसे नियमों को केवल शुरुआती संकेत मानते हैं, कोई तय फार्मूला नहीं। वहीं व्यावहारिक तौर पर रिटायरमेंट से लगभग 5 साल पहले इक्विटी एक्सपोजर कम करना शुरू किया जा सकता है। इस दौरान निवेश का फोकस पैसा बढ़ाने से बदलकर पूंजी को सुरक्षित रखने और नियमित आय सुनिश्चित करने पर केंद्रित हो जाता है। हालांकि, यह 5 साल का नियम भी हर निवेशक के लिए समान नहीं है और यह रिटायरमेंट कार्पस, आय आवश्यकताओं, जोखिम सहनशीलता और अन्य वित्तीय परिस्थितियों के आधार पर भिन्न हो सकता है।

रिटायरमेंट के बाद इक्विटी में कितना निवेश रखना चाहिए, इस पर भी अलग-अलग राय है। विशेषज्ञों के अनुसार रिटायरमेंट के बाद निवेशक अपने कुल फंड का 30-40 फीसदी इक्विटी और 60-70 फीसदी डेट व फिक्स्ड इनकम में रख सकते हैं। एक अन्य विशेषज्ञ की सलाह है कि 52 साल की उम्र तक इक्विटी की हिस्सेदारी घटाकर करीब 50 फीसदी और रिटायरमेंट तक इसे 20-25 फीसदी (मुख्य रूप से लार्ज कैप फंड में) किया जा सकता है। एक्सपर्ट्स जोर देते हैं कि निवेश रणनीति तय करते समय केवल उम्र नहीं, बल्कि रिटायरमेंट में बचे समय, जमा पूंजी, रिटायरमेंट के बाद की आय और देनदारियों जैसे सभी व्यक्तिगत पहलुओं पर विचार करना चाहिए।

सरकारी कोशिशें बेअसर, खुदरा बाजार में प्याज 60 के पार, बफर स्टाक से बिक्री और कांदा एक्सप्रेस भी बेअसर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद खुदरा बाजार में प्याज की कीमतें 60 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता को राहत नहीं मिल पा रही है। सरकार ने बफर स्टाक से 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर प्याज बाजार में उतारा और कांदा एक्सप्रेस भी चलाई, लेकिन मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में दाम अभी भी ऊंचे बने हुए हैं। केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद खुदरा बाजार में प्याज की कीमतें 60 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता को राहत नहीं मिल पा रही है। सरकार ने बफर स्टाक से 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर प्याज बाजार में उतारा और देश में इसकी सप्लाई बेहतर करने के लिए कांदा एक्सप्रेस भी शुरू की। हालांकि, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, देश में प्याज की औसत खुदरा कीमत 54 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में यह 60 रुपये प्रति किलो या उससे भी अधिक पर बिक रहा है। देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी लासलगांव में पिछले एक महीने में अच्छी गुणवत्ता वाले प्याज के दाम करीब 23 प्रतिशत बढ़कर 5,160 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गए हैं। इस मूल्यवृद्धि का मुख्य कारण महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में असमय हुई भारी बारिश से फसल को हुआ भारी नुकसान है, जिससे दूसरी फसल की आवक में देरी हुई है। प्याज कारोबारियों का अनुमान है कि नई फसल की आवक अक्टूबर के आखिरी हफ्ते या नवंबर की शुरुआत में शुरू हो सकती है। मंडियों में प्याज की सप्लाई बढ़ने के साथ ही कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है, तब तक उपभोक्ताओं को महंगे प्याज से जूझना पड़ सकता है।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए फ्रैंकलिन टेम्पलटन का नया निवेश विकल्प

नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए फ्रैंकलिन टेम्पलटन एक नया निवेश विकल्प लाने जा रहा है। कंपनी ने फ्रैंकलिन इंडिया बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट दस्तावेज जमा किए हैं, जिसका उद्देश्य शेयर और डेट के संतुलित मिश्रण से आकर्षक रिटर्न देना है। यह एक ओपन एंडेड बैलेंस्ड हाइब्रिड स्कीम होगी, जो अपनी कुल संपत्ति का 40 से 60 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी और संबंधित विकल्पों में निवेश करेगी।

सेबी के पास ड्राफ्ट जमा, इक्विटी-डेट का 40-60 फीसदी मिश्रण, सिप 500 रुपये से शुरू

वहीं, शेष 40 से 60 प्रतिशत निवेश डेट, मनी मार्केट और नकदी में किया जा सकेगा। इस स्कीम की खासियत यह है कि किसी भी समय इक्विटी और डेट दोनों की हिस्सेदारी कम से कम 40 प्रतिशत बनी रहेगी, जिससे निवेशकों को संतुलन और स्थिरता मिलेगी।

इस फंड में एकमुश्त निवेश 5,000 रुपये से और सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (सिप) 500 रुपये से शुरू किया जा सकेगा। एनएफओ के दौरान यूनिट की कीमत 10 रुपये होगी और फिलहाल कोई एग्जिट लोड नहीं रखा गया है।

यह फंड अपनी कुल संपत्ति का 20 प्रतिशत तक विदेशी सिक्योरिटीज में भी निवेश कर सकेगा, जिससे निवेशकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विविधता का लाभ मिलेगा। यह योजना फिलहाल सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही है और उन निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है जो इक्विटी और डेट दोनों के संतुलन से अपने निवेश पर रिटर्न चाहते हैं।

2065 तक अति वृद्ध समाज बन जाएगा भारत: मूडीज

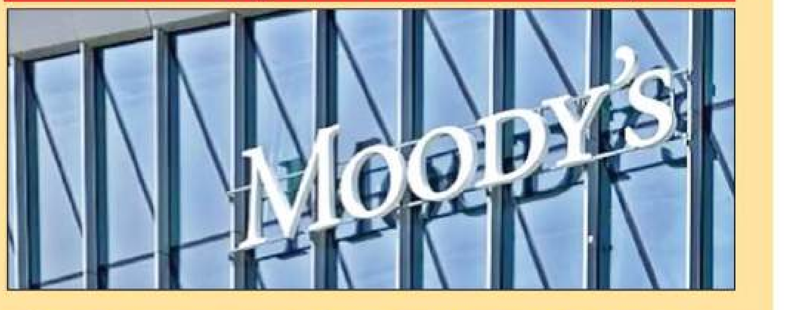

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने एक चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि भारत 2049 तक एक वृद्ध समाज और करीब 2065 तक अति वृद्ध समाज बन जाएगा। एजेंसी ने इस तीव्र जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर भारत को आगाह किया है, क्योंकि इससे देश को पेंशन, स्वास्थ्य सेवा और दीर्घकालिक देखभाल पर बढ़ते खर्च जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। भारत 2024 के आसपास ही बुजुर्ग होती आबादी की श्रेणी में शामिल हो चुका है। मूडीज के अनुसार, जिस समाज में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की आबादी 7 फीसदी होती है, उसे बुजुर्ग होती आबादी वाला समाज, 14 फीसदी होने पर वृद्ध और 21 फीसदी होने पर अति वृद्ध समाज की श्रेणी में रखा जाता है। यह बदलाव भारत में असाधारण गति से होगा। जहां अमेरिका को वृद्ध से अति वृद्ध समाज बनने में 19 साल लगेंगे, वहीं भारत को यह परिवर्तन केवल 16 सालों में देखना होगा, जो इंडोनेशिया (29 साल) से भी कहीं अधिक तेज है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत की प्रजनन दर पहले ही 2.1 से नीचे आ चुकी है, जो सदी के उत्तरार्ध में एक वृद्ध आबादी की मजबूत नींव तैयार कर रही है। प्रजनन दर में गिरावट के पीछे शिक्षा का बढ़ता स्तर, श्रमबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, और आवास व बच्चों की देखभाल की बढ़ती लागत जैसे कारण बताए गए हैं। मूडीज ने चेतावनी दी है कि कम कामगारों के कारण उत्पादन क्षमता सीमित होगी और परिवारों व उपभोक्ताओं की संख्या घटने से मांग कमजोर पड़ेगी, जिससे आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए उत्पादकता पर अधिक निर्भर रहना होगा।

सर्राफा बाजार में 1.50 लाख रुपये से भी नीचे आया सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट का दौर लगातार जारी है। सितंबर के आखिरी दिन भी शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में जोरदार गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। हालांकि चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,48,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,36,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,36,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,48,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,48,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,48,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,36,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,48,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,48,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,48,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में ट्रेजरी बान्ड की यील्ड में बढ़ोतरी होने के कारण पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 131.59 अंक यानी 0.26 प्रतिशत लुढ़क कर 51,349.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत फिसल कर 7,670.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.09 प्रतिशत टूट कर 26,797.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट से उत्साहित होकर मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 202.45 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 51,552.37 अंक के स्तर पर बना हुआ है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,636.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,035.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.10 प्रतिशत उछल कर 25,399.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 1,244.73 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के साथ 66,726 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने भी जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 537.74 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,169.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,840.83 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत उछल कर 6,132.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.19 प्रतिशत फिसल कर 22,785.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत लुढ़क कर 5,709.17 अंक के स्तर पर आ गया है। सेट कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1.52 प्रतिशत टूट कर 1,570.12 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.25 प्रतिशत फिसल कर 24,463 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,860.38 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बांग्लादेश, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए आस्ट्रेलियाई टीम घोषित, सोफी मोलिन्यू होंगी कप्तान

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए अपनी महिला टीम घोषित कर दी है। दोनों सीरीज के लिए सोफी मोलिन्यू को कप्तान बनाया गया है। हालांकि, कूल्हे की चोट से उबर रही मोलिन्यू की उपलब्धता पर लगातार नजर रखी जाएगी।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि मोलिन्यू टीम में शामिल हैं, लेकिन चोट से पूरी तरह उबरने के बाद ही उनकी सीरीज में भागीदारी पर अंतिम फैसला होगा। राष्ट्रीय चयनकर्ता शान फ्लेगलर ने कहा कि मोलिन्यू कूल्हे की चोट का प्रबंधन कर रही हैं और आने वाले दिनों में उनकी स्थिति का आकलन किया जाएगा।

आस्ट्रेलिया ने दोनों सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम चुनी है। तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हैं, जबकि लूसी हैमिल्टन बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में क्वाड स्ट्रेन के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगी। हालांकि, उनके न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है।

ग्रेस हैरिस को टीम में जगह नहीं मिली है। चयनकर्ता फ्लेगलर ने स्पष्ट किया कि वह भविष्य की योजनाओं में बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि टी20 टीम का आकार छोटा होने और विश्व कप के दौरान सीमित अवसरों के कारण हैरिस चयन से चूक गईं।

बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज 9 अक्टूबर से शुरू होगी। तीनों मुकाबले ब्रिस्बेन के एलन बार्डर फील्ड में खेले जाएंगे। पहला वनडे 9 अक्टूबर, दूसरा 11 अक्टूबर और तीसरा 14 अक्टूबर को होगा। इसके बाद आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। पहला मैच 18 अक्टूबर, दूसरा 20 अक्टूबर और तीसरा 22 अक्टूबर को सिडनी के नार्थ सिडनी ओवल में खेला जाएगा। फ्लेगलर ने कहा कि विश्व कप के बाद होने वाले ये छह मुकाबले आस्ट्रेलियाई टीम के लिए चुनौतीपूर्ण होंगे और बांग्लादेश तथा न्यूजीलैंड दोनों अलग-अलग तरह की चुनौती पेश करेंगे।

आस्ट्रेलिया टीम: निकोला कैरी, एश गार्डनर, किम गर्थ, लूसी हैमिल्टन*, एलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैक्ग्रा (उपकप्तान), सोफी मोलिन्यू (कप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जार्जिया वोल और जार्जिया वेयरहैम।

न्यूज ब्रीफ

एशियन खेल 2026: लवलीना बोरगोहेन फाइनल में, बोगदानोवा को 3-2 से हराया

आइची-नागोया। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियन खेल 2026 में महिलाओं के 75

किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। निशियो जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लवलीना ने कजाकिस्तान की नताल्या बोगदानोवा को कड़े मुकाबले में 3-2 के स्प्लिट डिसीजन से हराया। लवलीना ने मुकाबले की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं की और पहला राउंड 2-3 से गंवा दिया। हालांकि, भारतीय मुक्केबाज ने दूसरे राउंड में शानदार वापसी की। सभी पांच जजों ने दूसरे राउंड में लवलीना के पक्ष में 10 अंक दिए, जिससे उन्होंने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। बोगदानोवा ने तीसरे राउंड में भी 3-2 से बढ़त बनाई, लेकिन शुरुआती दो राउंड में लवलीना की बढ़त को पार करने के लिए यह पर्याप्त नहीं था। भारतीय मुक्केबाज ने कुल स्कोर के आधार पर मुकाबला अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट कटाया। सेमीफाइनल से पहले लवलीना ने दक्षिण कोरिया की सेओंग सुयोन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। अब लवलीना की नजर एशियन खेल में अपने पदक का रंग बदलने पर होगी। उन्होंने तीन साल पहले हांगझोऊ एशियन खेल में मिडिलवेट वर्ग में रजत पदक जीता था। इस बार वह स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगी। लवलीना ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में भी रजत पदक जीता था। उन्हें फाइनल में आस्ट्रेलिया की एमा-स्यू ग्रीनट्री के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

वित्या ने एशियाई खेलों में दो पदक जीतकर उषा का रिकार्ड तोड़ा

आईची। भारत की वित्या रामराज ने जापान में जारी एशियाई खेलों 2026 में दो पदक जीतकर दिग्गज धाविका पी टी उषा का रिकार्ड तोड़ दिया। तमिलनाडु के कोयंबटूर की इस एथलीट ने न केवल दो प्रतिष्ठित पदक अपने नाम किए, बल्कि महान एथलीट उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकार्ड भी ध्वस्त कर दिया। कड़ी मेहनत और अटूट लगन से ये सफललता हासिल कर वित्या ने युवाओं के लिए उदाहरण पेश किया है। वित्या ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में, संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम ने 54.31 सेकंड के खेलों के रिकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान की एडेलिना जेम्स ने 54.58 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ ही रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले, वित्या एशियाई खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा की टीम का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। वित्या के लिए 400 मीटर बाधा दौड़ का कांस्य पदक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दौड़ में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 54.75 सेकंड का समय निकालकर ये हासिल किया था। इससे वह 1984 के लास एंजिलिस ओलंपिक में उषा द्वारा बनाए गए 55.42 सेकंड के राष्ट्रीय रिकार्ड से आगे निकल गयी हैं।

एशियन खेल 2026: सुनील कुमार सेमीफाइनल में हारे, अब कांस्य के लिए होगी चुनौती

आइची-नागोया। भारतीय पहलवान सुनील कुमार को एशियन खेल 2026 में पुरुषों के ग्रीको-रोमन 87

किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जापान के ताइजो योशिदा के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा। योशिदा ने सुनील को 11-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सुनील की पदक की उम्मीदें अभी खत्म नहीं हुई हैं। वह अब रेपेचाज से आने वाले पहलवान के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में उतरेंगे। इससे पहले सुनील ने प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत करते हुए ताजिकिस्तान के मुहम्मद सुल्तानजोदा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 9-0 से हराया था। उस मुकाबले में उनके प्रतिद्वंद्वी को एक भी अंक नहीं मिला था। कंपाउंड तीरंदाजी में भारत का स्वर्ण इस बीच, ज्योति वेन्नम, चिकिता तनीपर्थी और पृथिका प्रदीप की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने चीन को 238-234 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम ने इससे पहले सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 234-233 से हराया था। कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकिता तनीपर्थी और साहिल जाधव ने भी फाइनल में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने रोमांचक सेमीफाइनल में थाईलैंड को 156-155 से हराया। महिला स्क्वैश टीम ने पक्का किया पदक भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने सिंगापुर को क्वार्टर फाइनल में 2-0 से हराकर पदक पक्का किया। तन्वी खन्ना और अनाहत सिंह ने अपने-अपने एकल मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया।

एशियन खेल 2026 : भारत ने तीरंदाजी में रचा नया इतिहास, पुरुष कंपाउंड टीम ने जीता स्वर्ण

आइची-नागोया

भारतीय तीरंदाजों ने एशियन खेल 2026 में कंपाउंड स्पर्धा में अपना दबदबा कायम रखते हुए पुरुष टीम वर्ग का स्वर्ण पदक भी अपने नाम कर लिया। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश थिरुमुरु की भारतीय तिकड़ी ने रोमांचक फाइनल में चीन को 238-237 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह एशियन खेलों में भारत का दसवां स्वर्ण पदक है।

इस जीत के साथ भारत ने एशियन खेल में कंपाउंड तीरंदाजी के तीनों स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिए। इससे पहले भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने चीन को हराकर स्वर्ण जीता था, जबकि चिकिता तनीपर्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया था। पुरुष कंपाउंड टीम फाइनल में भारत की शुरुआत थोड़ी धीमी रही। चीन ने पहले चरण में छह के छह निशानों पर 10 अंक हासिल करते हुए 60 अंक बनाए, जबकि भारत 58 अंक ही जुटा सका। दूसरे चरण के बाद भी चीन ने अपनी बढ़त बरकरार रखी और स्कोर 120-118 रहा। तीसरे चरण में भारतीय तिकड़ी ने शानदार वापसी की। साहिल, गणेश और कुशल ने शुरुआत में लगातार 10 अंक हासिल किए। चीन के एक तीर पर 9 अंक आने के बाद भारत ने अंतर घटाकर एक अंक कर दिया। तीसरे चरण के अंत में चीन 179-178 से आगे था। निर्णायक चौथे चरण में भारतीय तीरंदाजों ने दबाव के बीच बेहतरीन प्रदर्शन किया। साहिल, गणेश और कुशल ने लगातार 10-10 अंक हासिल किए। वहीं, चीन के जियाहाओ लियाओ के 8 अंक वाले निशाने ने भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय तिकड़ी ने अपने अंतिम तीन तीरों पर भी 10-10 अंक हासिल कर 238 अंक पूरे किए और चीन को 237 पर रोककर स्वर्ण पदक पक्का कर लिया। साहिल ने पूरे फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और निर्णायक चरण में भी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। 20 वर्षीय गणेश और कुशल ने भी दबाव के बीच सटीक निशाने लगाकर भारत की जीत सुनिश्चित की। यह भारत के लिए चौथा स्वर्ण पदक है, जबकि तीरंदाजी में यह तीसरा स्वर्ण है। भारतीय महिला कंपाउंड टीम, मिश्रित टीम और अब पुरुष कंपाउंड टीम की स्वर्णिम सफलता ने एशियन खेल में भारत की कंपाउंड तीरंदाजी की ताकत को स्पष्ट किया है।

एशियन खेल 2026: नीरू धांडा और किनान चेनाई ने ट्रैप मिश्रित टीम में जीता स्वर्ण

आइची-नागोया। भारत की नीरू धांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने एशियन खेल 2026 में ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 40 में से 34 निशाने साधे और नए एशियाई रिकार्ड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। कतर ने 32 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन को 23 अंकों के साथ कांस्य पदक मिला। यह एशियन खेल की ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। नीरू के लिए यह एशियन खेल 2026 में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में एशियन खेल का व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। नीरू ने व्यक्तिगत फाइनल में 28 निशाने लगाकर एशियाई रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नीरू ने 2026 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इटली के लोनाटो में आईएसएसएफ शाटगन विश्व कप मे महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। इसके अलावा उन्होंने 2025 एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता। वहीं, किनान दारियस चेनाई भारत के अनुभवी ट्रैप निशानेबाजों में शामिल हैं। हैदराबाद में जन्मे किनान ने 2003 में निशानेबाजी शुरू की थी। उनके पिता डेरियस चेनाई भी राष्ट्रीय स्तर के ट्रैप निशानेबाज रहे हैं। किनान ने चार बार के ओलंपियन और प्रसिद्ध कोच मंशेर सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया। किनान ने 2008 राष्ट्रमंडल युवा खेलों में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्होंने 2016 में भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया और रियो ओलंपिक में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 2022 हांगझोऊ एशियन खेल में भी किनान ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पुरुषों की ट्रैप टीम स्पर्धा में स्वर्ण और व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा 2021 आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की ट्रैप टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी उनके नाम है। नीरू और किनान की इस जीत के साथ भारत ने ट्रैप मिश्रित टीम में अपना पहला एशियन खेल स्वर्ण पदक हासिल किया। इस स्वर्ण के साथ भारत पदक तालिका में अब 8वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत के कुल 57 पदक हो गए हैं, जिसमें 9 स्वर्ण, 21 रजत और 27 कांस्य पदक शामिल है।

एशियन खेल 2026: प्रिया घंघास सेमीफाइनल में हारीं, कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

आइची-नागोया

भारतीय मुक्केबाज प्रिया घंघास ने एशियन खेल में अपने पदार्पण को कांस्य पदक के साथ समाप्त किया।

हरियाणा के झज्जर जिले की 20 वर्षीय प्रिया को महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

निशियो में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में प्रिया ने अनुभवी चीनी मुक्केबाज को कड़ी चुनौती दी, लेकिन यांग चेंग्यू ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही प्रिया का कांस्य पदक पहले ही पक्का हो गया था।

प्रिया ने हाल के महीनों में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2026 राष्ट्रमंडल खेल, 2026 एलीट एशियाई चैंपियनशिप, 2026 उस्ती नाद लाबेम ग्रां प्री और 2026 बाक्सम कप में स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने 2025 थाईलैंड ओपन में कांस्य पदक भी हासिल किया था।

तकनीकी सटीकता, रिंग में समझ और संयमित अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली प्रिया ने एशियन गेम्स के अपने पहले ही अभियान में पदक जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

भारत के मुक्केबाजों ने इस बार पिछले एशियन खेल के प्रदर्शन में भी सुधार किया है। पिछले संस्करण में भारत ने एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल चार पदक जीते थे, जबकि एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाज अब तक छह पदक पक्के कर चुके हैं।

भारत की परवीन हुड्डा (65 किग्रा) और अंकुश पंघाल (80 किग्रा) पहले ही फाइनल में पहुंच चुके हैं। दोनों शुक्रवार को स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगे।

एशियन खेल 2026: सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, फोमिन को सीधे सेटों में हराया

आइची-नागोया। भारत के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एशियन खेल 2026 में पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। नागल ने राउंड आफ 16 के मुकाबले में उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। नागल ने पूरे मुकाबले में नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने पहले सेट में 6-3 से जीत दर्ज की और दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखते हुए 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ नागल पदक पक्का करने से अब सिर्फ एक जीत दूर हैं। फोमिन के खिलाफ यह नागल की लगातार तीसरी जीत है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक हुए तीनों मुकाबले भारतीय खिलाड़ी ने जीते हैं। क्वार्टर फाइनल में नागल का सामना चीन के वू यिबिंग से होगा। यह मुकाबला 1 अक्टूबर को खेला जाएगा।

एशियन खेल हाकी : सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे भारत-पाकिस्तान, रोमांच होगा चरम पर

नई दिल्ली

एशियन खेल 2026 में गुरुवार को भारतीय पुरुष हाकी टीम का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमें टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी, जहां जीतने वाली टीम स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंचेगी। दूसरा सेमीफाइनल मलेशिया और दक्षिण कोरिया के बीच खेला जाएगा।

गत चैंपियन भारत ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांचों मुकाबले जीते और पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया को 13-1 से हराकर की। इसके बाद श्रीलंका को 16-1, दक्षिण कोरिया को 8-2, मेजबान जापान को 2-0 और बांग्लादेश को 10-0 से शिकस्त दी।

भारतीय टीम की आक्रमण पंक्ति ने अबतक शानदार प्रदर्शन किया है। दिलप्रीत सिंह नौ गोल के साथ टूर्नामेंट के संयुक्त रूप से दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हैं। अभिषेक और कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नाम आठ-आठ गोल हैं। पेनल्टी कार्नर में हरमनप्रीत की ड्रैग-फ्लिक भारत का अहम हथियार रही है।

वहीं, पाकिस्तान पूल-बी में शीर्ष पर रहते हुए भारत से फाइनल में भिड़ने की स्थिति में था लेकिन मलेशिया के खिलाफ 4-5 की हार के कारण उसे दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। पाकिस्तान ने थाईलैंड को 9-0, उज्बेकिस्तान को 5-1, चीन को 3-0 और ओमान को 7-2 से हराया। पाकिस्तान के लिए सुफियान खान सबसे बड़ा खतरा होंगे। पेनल्टी कार्नर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे सुफियान के नाम अब तक 11 गोल हैं और वह टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं। ऐसे में सुफियान और भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के बीच पेनल्टी कार्नर की जंग मुकाबले का अहम पहलू हो सकती है। राजकुमार पाल बाहर, निलकंठ शर्मा टीम में भारत को सेमीफाइनल से पहले बड़ा झटका लगा है। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी पूल मुकाबले में राजकुमार पाल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया, जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह रिजर्व खिलाड़ी नीलकंठ शर्मा को टीम में शामिल किया गया है।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि राजकुमार का चोटिल होना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन नीलकंठ के आने से टीम को अनुभवी खिलाड़ी का विकल्प मिला है। नीलकंठ ओलंपिक और विश्वकप जैसे बड़े टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

एशियन खेल 2026: ज्योति, चिकिता, पृथिका ने रचा इतिहास, भारत ने जीता कंपाउंड तीरंदाजी का स्वर्ण

एशियाई खेल 2026 में भारत का यह सातवां स्वर्ण

आइची-नागोया

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने एशियन खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, पृथिका प्रदीप और तनीपर्थी चिकिता की भारतीय टीम ने फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

इस जीत के साथ भारत ने महिलाओं की कंपाउंड टीम स्पर्धा में अपना एशियन खेल खिताब बरकरार रखा।

भारतीय टीम ने मुकाबले में शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी। भारत ने पहले चरण के बाद 60-58 की बढ़त बनाई, जो दूसरे चरण के बाद 119-116 और तीसरे चरण के बाद 178-175 हो गई। अंतिम चरण में भारतीय तीरंदाजों ने लगातार सटीक निशाने लगाकर चीन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

फाइनल के आखिरी दौर में चिकिता, पृथिका और ज्योति ने लगातार 10-10 अंक हासिल किए। चीन ने भी अंतिम चरण में तीन 10 लगाए, लेकिन भारतीय टीम की बढ़त इतनी मजबूत थी कि वह स्वर्ण पदक अपने नाम करने में सफल रही।

इस प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम ने विश्व रिकार्ड की बराबरी भी की। भारत ने उस रिकार्ड की बराबरी की, जो दक्षिण कोरिया ने 2014 इंचियोन एशियन खेल में बनाया था।

भारत ने इस स्पर्धा में इससे पहले 2018 में रजत और 2014 में कांस्य पदक जीता था। अब लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतकर भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने एशियन खेल में अपना दबदबा कायम किया है।

ज्योति का अनुभव और उपलब्धियों का सिलसिला - भारतीय टीम की सबसे अनुभवी सदस्य ज्योति सुरेखा वेन्नम लंबे समय से देश की प्रमुख कंपाउंड तीरंदाजों में शामिल हैं। उन्होंने 2011 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। ज्योति ने 2023 एशियन गेम्स में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने 2023 विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में टीम स्वर्ण और विश्व कप चरणों में 11 स्वर्ण पदक जीते हैं। एशियाई आउटडोर चैंपियनशिप में भी उनके नाम सात स्वर्ण पदक हैं। उनके शानदार करियर को देखते हुए उन्हें 2017 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चिकिता ने कम उम्र में बनाई पहचान - तनीपर्थी चिकिता ने कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली है। तेलंगाना की इस तीरंदाज ने 2025 विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप में अंडर-21 महिला व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। किसान परिवार से आने वाली चिकिता ने अपने पिता की प्रेरणा से दूसरी कक्षा में तीरंदाजी शुरू की थी। वर्ष 2018 में उन्होंने इसे गंभीरता से अपनाया और 2021 में पेशेवर स्तर पर कदम रखा। वह 2025 और 2026 विश्व कप में टीम स्पर्धा के दो रजत पदक सहित एशियन ग्रां प्री में भी कई पदक जीत चुकी हैं।

विकलांगता भी बाधा नहीं...

द्वार दया का जब तू खोले, पंचम सुर में गूंगा बोले, अंधा देखे, लंगड़ा चल कर पहुंचे काशी रे।

अर्थात् हे प्रभु जब तेरी दया का द्वार खुलता है तो गूंगा भी पंचम स्वर में बोलने या गाने लगता है, अंधा देखने लगता है और एक लंगड़ा व्यक्ति भी चलकर काशी जा पहुंचता है। कहने का तात्पर्य ये है कि जब प्रभु की दया का द्वार खुलता है तो असंभव भी संभव हो जाता है। कैसे खुलता है उस प्रभु की दया का द्वार? कहां है हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर? हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर वास्तव में हमारे अंदर ही विराजमान है। वह हमारी इच्छाशक्ति से ही जाग्रत होता है। उसकी कृपा का द्वार हमारी इच्छाशक्ति की खटखटाहट से ही खुलता है। सगुण-साकार अथवा निर्गुण-निराकार प्रभु की प्रार्थना करके हम अपनी असीमित सुप्त मानसिक शक्तियों को ही जगाते हैं। यह अपने विश्वास को पुष्ट करने का ही एक मार्ग है। वास्तव में सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्पन्न सात्त्विक इच्छाओं का चयन करके हम अपने जीवन में हर खुशी प्राप्त कर सकते हैं। उत्कृष्ट इच्छाशक्ति द्वारा हम असंभव से लगने वाले कार्यों को करने में सक्षम हो जाते हैं। कुछ ऐसी ही उत्कृष्ट इच्छाशक्ति थी विल्मा रुडोल्फ नामक एक पोलियोग्रस्त बालिका में जो विश्व पटल पर तेज धाविका के रूप में अपना नाम अंकित करवाना चाहती थी। वर्ष 1960 में इटली की राजधानी रोम में होने वाले ओलंपिक खेलों पर सारे विश्व की निगाहें टिकी हुई थीं क्योंकि इन ओलम्पिक खेलों में विल्मा रुडोल्फ भी भाग ले रही थी।

एक वक्त था, जब लोग सिर्फ सफेद बालों को छुपाने के लिए बालों को रंगते थे, लेकिन आजकल बालों को अलग-अलग रंग कराना फैशन बन गया है। हर कोई अपने लुक को बदलने के लिए अलग-अलग तरह के कलर करवा रहे हैं। कुछ लोग महंगे सलून में जाकर हेयर कलर करवाते हैं, कुछ लोग घर पर ही कलर करते हैं, लेकिन आपने कभी सोचा है कि गलत तरीके से बालों को कलर करना बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

हेयर कलर कराते समय न करें गलतियां...

बालों में कलर करने का चलन पिछले कुछ सालों में तेजी के साथ बढ़ा है। एक आंकड़े के मुताबिक करीब 75 फीसदी महिलाएं अपने बालों में रंग कराती हैं। आजकल बालों को कलर करने के लिए बाजार में बहुत सारे शेड मिलते हैं, जैसे, सेमी परमानेंट और परमानेंट हेयर कलर। सेमी परमानेंट कलर कुछ समय बाद बालों को शैंपू करने से निकल जाता है। वहीं दूसरी तरफ परमानेंट हेयर कलर कुछ हफ्तों तक आराम से चलता है। आप वहीं कलर चुनें जो आपकी स्किन टोन पर सही लगता हो। कितनी महिलाएं हैं जो अपने बालों को कलर करवाती हैं। कई को यह पता ही नहीं होता कि कौन-सा कलर उन पर जमेगा, बाल कलर करने के लिए क्या करना चाहिए, बाल कलर कराने के क्या-क्या फायदे-नुकसान हैं, किन बातों का ध्यान रखें इत्यादि।

बालों को कलर कराना आज का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। आज महिलाएं बालों पर नए-नए प्रयोग करने से भी नहीं चूकतीं, लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। जरा-सी लापरवाही से आप अपने अच्छे बालों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बालों को कलर करवाने से पहले आपको एलर्जी का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि कई बार कुछ कलर या डाई बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में यदि आपको अमोनियायुक्त डाई सूट न करें तो आप प्रोटीनयुक्त डाई का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसके लिए आप हेयर एक्सपर्ट या ब्यूटी पार्लर में जाकर परामर्श ले सकती हैं।

कैसे पहचाने रिएक्शन को

हेयर डाई से होने वाला एलर्जिक रिएक्शन मामूली असर वाला या फिर गंभीर दोनों हो सकता है। बालों में कलर करने के बाद यदि आपको सिर की त्वचा में मामूली जलन या सनसनाहट महसूस होती है तो यह एलर्जी की शुरुआत होती है। यदि कलर करने के बाद आपके माथे, कान, गर्दन के पीछे सूजन और आंखों में जलन की शिकायत होती है तो यह एलर्जी का गंभीर मामला होता है। आप को तुरंत डाक्टर को दिखाना चाहिए।

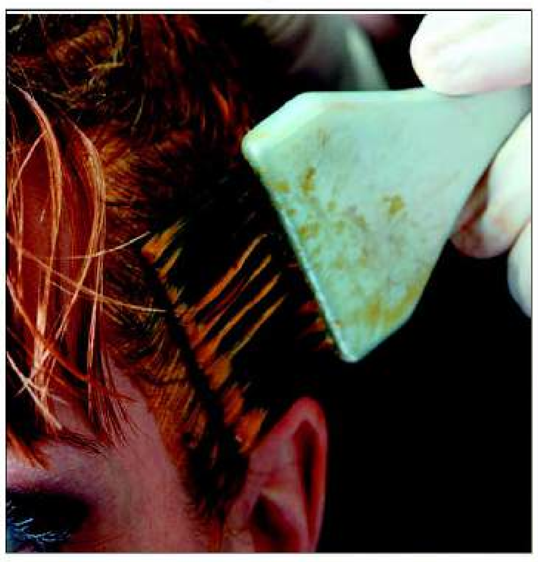

ऐसे बचें एलर्जी से

कुछ सावधानी बरत कर हेयर डाई से हो सकने वाले नुकसान से बच सकते हैं। ऐसा करने से आपके सिर के बाल ज्यादा समय तक ठीक रहेंगे। जब भी आप किसी नए ब्रांड को इस्तेमाल करें तो पहले उसके बारे में अच्छे से जानकारी कर लें। ऐसा देखा गया है कि कई बार कुछ लोग कलर बदलने से एलर्जी का शिकार हुए हैं। कोशिश करें कि आप लगातार एक ही अच्छा ब्रांड उपयोग करें। एलर्जिक अटैक से बचने के लिए पैच टेस्ट अच्छा उपाय है। पैच टेस्ट, किसी प्रोडक्ट के प्रति आपकी त्वचा की संवेदनशीलता को दर्शाता है। इसके साथ ही आपको एलर्जिक रिएक्शन से भी बचाता है। हेयर डाई का मिश्रण बनाते समय लेबल पर दिए गए निर्देशों को पढ़ लें। कान के पीछे का हिस्सा सबसे ज्यादा संवेदनशील होता है। यह किसी भी प्रकार के एलर्जिक रिएक्शन के लक्षणों को तुरंत दिखाता है। आप रुई के टुकड़े को हेयर डाई के मिश्रण में डुबाकर कान के पीछे लगा लें। इसे 10 घंटे तक लगाकर रखने से आप एलर्जी के प्रकोप से बचे रहेंगे।यदि आप हेयर डाई को निर्धारित समय से ज्यादा लगाकर रखते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकती है। यदि आपको एलर्जिक रिएक्शन होने का खतरा लगता है तो किसी भी परेशानी से बचने के लिए पानी की धार से अपने बालों को धो लें। इससे हेयर कलर आपके बालों से साफ हो जाएगा।

सत्यमेव जयते
অসম চৰকাৰ
খাদ্য, ৰাজহুৱা বিতৰণ আৰু গ্ৰাহক পৰিক্ৰমা বিভাগ

অন্ন সেৱা দিন
১ - ১০ অক্টোবৰ ২০২৬

‘প্ৰধানমন্ত্ৰী গৰীব কল্যাণ অন্ন যোজনা’ৰ অধীনত বিনামূলীয়া চাউল

- ‘অন্ত্যোদয়া অন্ন যোজনা’ৰ অধীনস্থ প্ৰতিটো পৰিয়াললৈ প্ৰতিমাহে ৩৫ কিলোগ্ৰামকৈ চাউল
- অগ্ৰাধিকাৰপ্ৰাপ্ত পৰিয়ালৰ প্ৰতিগৰাকী ব্যক্তিলৈ প্ৰতিমাহে ৫ কিলোগ্ৰামকৈ চাউল

প্ৰতিমাহে প্ৰতিটো পৰিয়াললৈ বজাৰতকৈ সুলভ মূল্যত ১ কিঃগ্ৰাঃকৈ খাদ্য-সামগ্ৰী

মচুৰ দাইল	চেনি
৭০ টকা (প্ৰতি কিঃগ্ৰাঃ)	৩০ টকা (প্ৰতি কিঃগ্ৰাঃ)

সুলভ মূল্যৰ দোকানীৰ কৰণীয়
- অন্ন সেৱা দিনৰ প্ৰতিটো দিনত নিয়মীয়াকৈ দোকান খোলা ৰখা
- উপকৃত লোকসকলৰ প্ৰাপ্য সামগ্ৰীৰ ‘অন্ন সেৱা দিন’ত সম্পূৰ্ণ বিতৰণ নিশ্চিত কৰা
- বিতৰণ কৰা সামগ্ৰীৰ বিপৰীতে e-PoS মেচিনৰ ৰচিদ প্ৰদান কৰা

উপকৃত লোকসকললৈ আমাৰ আহ্বান
- এই বিশেষ দিনকেইটাত সুলভ মূল্যৰ দোকানৰ পৰা আপোনালোকৰ প্ৰাপ্য সামগ্ৰী সংগ্ৰহ কৰক
- লাভ কৰা সামগ্ৰীৰ বিপৰীতে e-PoS মেচিনৰ পৰা ৰচিদ সংগ্ৰহ কৰক
- এতিয়াও আধাৰ নম্বৰ সংযোগ কৰিবলৈ বাকী থকা আৰু e-KYC প্ৰমাণীকৰণ সম্পন্ন নকৰা সকলো লোকক আধাৰ নম্বৰ জমা কৰিবলৈ তথা e-KYC প্ৰমাণীকৰণ সম্পন্ন কৰিবলৈ অনুৰোধ জনোৱা হ’ল

বিঃদ্রঃ কিছুসংখ্যক চেনিৰ পেকেটত আঁচনিৰ লাভাৰ্থীৰ বাবে মূল্য ৩৫ টকা/কিঃগ্ৰাঃ হিচাপে মুদ্ৰিত হৈ থাকিলেও তেওঁলোকে প্ৰতি কিঃগ্ৰাঃ চেনিৰ বাবদ কেৱল ৩০ টকাহে পৰিশোধ কৰিব

যিকোনো অভিযোগৰ ক্ষেত্ৰত জিলা/সমজিলা/মহকুমাৰ বিভাগীয় কৰ্তৃপক্ষ অথবা টোল ফ্ৰী নম্বৰ:
১৮০০-৩৪৫-৩৬১১ আৰু ১৯৬৭ (BSNL গ্ৰাহক)ত যোগাযোগ কৰক

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত
Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in
অসম বাৰ্তা ছাবস্ক্ৰাইব কৰিবলৈ ৭৬৩৬৮৩৪৯৪৩ ত Assam লিখি ৱাটছএপ কৰক
-- DIPR /D/VBS-66/1-Oct-26

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**